दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

वर्ष: 2 | अंक: 231 | जयपुर, सोमवार, 31 जुलाई , 2023 | श्रावण, शुक्ल पक्ष- त्रयोदशी, विसं 2080 | पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak | YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

जरूरी खबर

TSP एरिया के शिक्षकों का गैर TSP में समायोजन

जयपुर। प्रारंभिक शिक्षा एवं पंचायतीराज (प्राशि) विभाग ने टीएसपी एरिया में पदस्थापित 1903 अध्यापकों का समायोजन गैर टीएसपी एरिया में किया है। इस संबंध में विभाग ने जारी पत्र के माध्यम से समायोजन/ स्थानांतरण के संबंध में अनुमोदन प्रदान किया। निदेशक, माध्यमिक शिक्षा कानाराम ने बताया कि इस अनुमोदन के तहत विभाग के माध्यमिक एवं प्रारंभिक शिक्षा के लेवल-1 के 1398 और लेवल-2 के 505 अध्यापकों का उनके दिए गए विकल्प की प्राथमिकता के अनुसार जिलों में रिक्त पदों के आधार पर समायोजन किया गया है।

पत्नी और बेटी के शव मिले, सैनिक हिरासत में

जयपुर। जोधपुर में रविवार तड़के सेना के एक जवान की पत्नी और बेटी सरकारी आवास में शव मिले। पुलिस ने बताया कि 25 वर्षीय रुक्मीणा और उनकी दो वर्षीय बेटी रिद्धिमा के शव बिस्तर पर पड़े मिले। रुक्मीणा के पति राम प्रसाद ने दावा किया कि शॉर्ट सर्किट के कारण लगी आग से दोनों की मौत हुई। पुलिस ने राम प्रसाद को हिरासत में लिया है। पुलिस उपायुक्त (पूर्व) अमृता दुहान ने कहा कि महिला के रिश्तेदारों को जानकारी दी जा चुकी है

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
अख़बार की प्रति प्राप्त करने के लिए
+91 96640 14179
+91 97830 45155
पर सम्पर्क कर अपना पता नोट करवाएं।

आतंक से दहला पाकिस्तान: खैबर पख्तूनख्वा में पॉलिटिकल पार्टी की रैली में जबरदस्त विस्फोट, मची अफरातफरी... दहशत

आत्मघाती हमले में 40 लोगों के चिथड़े उड़े... 200 घायल

■ सुरक्षा एजेंसियों ने घेराबंदी की

एजेंसी | इस्लामाबाद

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में रविवार को एक इस्लामी राजनीतिक दल के एक सम्मेलन में हुए विस्फोट में 40 लोगों के चिथड़े उड़ गए, जबकि 200 से ज्यादा घायल हो गए। इससे पूरा पाकिस्तान दहल गया है और खैबर पख्तूनख्वा में दहशत फैल गई है। पाक मीडिया ने पुलिस के हवाले से बताया कि विस्फोट बाजौर के खार में जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल के कार्यकर्ता सम्मेलन में हुआ। बताया जाता है कि यह एक आतंकी सुसाइड हमला था, जो इतने बड़े पैमाने पर लोगों की जिंदगी पर भारी पड़ा। पुलिस ने कहा कि इस विस्फोट में 200 से ज्यादा लोग घायल हो गए और उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सुरक्षा एजेंसियों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है। 'रेस्क्यू 1122' के प्रवक्ता बिलाल फैजी ने बताया कि सूचना मिलते ही आधा दर्जन एंबुलेंस ने घटनास्थल पर पहुंच घायलों को अस्पतालों में पहुंचाना शुरू कर दिया।

शाम 4:30 बजे की घटना

जेयूआई-एफ खैबर पख्तूनख्वा के प्रवक्ता अब्दुल जलील खान ने पाक मीडिया को बताया कि विस्फोट शाम करीब साढ़े चार बजे उस समय हुआ जब मौलाना लईक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। वहीं, जेयूआईएफ के वरिष्ठ नेता हाफिज हमदुल्ला संबोधित करने पहुंचने वाले थे। सम्मेलन के दौरान जेयूआई-एफ एमएनए मौलाना जमालुद्दीन और सीनेटर अब्दुल रशीद भी मौजूद थे। उन्होंने पुष्टि की है कि मृतकों में जेयूआई-एफ की तहसील खार आमिर मौलाना जियाउल्लाह भी शामिल है। जिला इमरजेंसी अफसर ने साझा किया कि घायलों को तिमेरगारा और पेशावर भी स्थानांतरित किया गया।

सैकड़ों लोग थे मौजूद

उस वक्त रैली में सैकड़ों लोग मौजूद थे। माना जा रहा है कि हमलावर पार्टी समर्थकों के बीच ही मौजूद था। पीपुल्स पार्टी के चेयरमैन बिलावल भुट्टो के मुताबिक यह हमला मुल्क को कमजोर करने की एक और साजिश है। सरकार आतंकियों से निपटने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है।

पाकिस्तान में बढ़ा आतंकवाद

पाकिस्तान में इस साल कई धमाके हुए हैं, जिनमें से ज्यादातर सुसाइड ब्लास्ट थे। दरअसल, काबुल में तालिबान राज आने के बाद से पाकिस्तान में टीटीपी जैसे आतंकी संगठन फिर सक्रिय हो गए हैं। यही कारण है कि पाकिस्तान में आतंकी हमले और ब्लास्ट काफी बढ़ गए हैं। टीटीपी सरकार के साथ अपना सीजफायर भी खत्म कर चुका है जिससे आने वाले समय में और घातक हमलों का खतरा बढ़ गया है।

15वीं विधानसभा के पिच पर माननीयों का प्रदर्शन

किसी के सवालों का शतक ...तो किसी का शून्य

विधायकी के हथियार को इस्तेमाल करने से वसुंधरा राजे, डोटासरा व सचिन पायलट ने किया परहेज

पंकज सोनी | बेधड़क

जयपुर। विधानसभा के नियमों में जनहित के मुद्दे उठाने से लेकर भ्रष्टाचार उजागर करने के लिए विधायकों को दी गई सवाल पूछने की ताकत को लेकर विपक्षी सदस्यों का प्रदर्शन बेहतर रहा। सत्ता पक्ष के विधायक इस मामले में कमजोर दिखाई दिए।

सत्ता पक्ष के कई विधायकों ने आठ सत्रों में एक भी सवाल नहीं पूछा। वहीं, विधानसभा के वीवीआईपी जनप्रतिनिधि वसुंधरा राजे, सचिन पायलट और गोविन्द सिंह डोटासरा ने अपने सवाल पूछने के हथियार के प्रयोग में परहेज रखा।

प्रदेश में 15 वीं विधानसभा अपने अंतिम चरणों में है। माना जा रहा है कि एक या दो दिन की कार्यवाही के बाद विधानसभा का सत्रावसान कर दिया जाएगा। इसलिए विधायकों का सवाल पूछने का फाइनल स्कोर कार्ड भी तैयार हो गया है। विधानसभा के आठों सत्र में सर्वाधिक सवाल लगाने वाले विधायकों में महिला सदस्यों की भी खासी संख्या है। विधायक एक सत्र में 40 तारांकित और 60 अतारांकित सवाल पूछ सकते हैं।

इन दिग्गजों ने समझी सवाल की ताकत

विधानसभा में गुलाबचंद कटारिया, सतीश पूनियां, राजेन्द्र राठौड़ चार सौ से ज्यादा सवाल लगाने वालों की सूची में शामिल रहे। इन तीनों नेताओं के सवालों सरकार को परेशान किए रखा।

सवाल लगाने में टॉप पर

- भाजपा विधायक संतोष और अमृतलाल मीणा प्रत्येक ने लगाए 559 सवाल
- भाजपा की चंद्रकांता मेघवाल और हमीर सिंह भायल प्रत्येक ने लगाए 558 सवाल
- भाजपा के फूलसिंह मीणा ने लगाए 557 प्रश्न
- निर्दलीय बलजीत यादव ने लगाए 554 सवाल
- भाजपा के नारायण सिंह देवल ने लगाए 553 सवाल

सबसे ज्यादा सवालों से घेरा सत्ता पक्ष को

संतोष | अमृतलाल | चन्द्रकांता | हमीर सिंह | फूलसिंह

इन्होंने भी लगाए 500+ प्रश्न: कालूराम, रामलाल शर्मा, वासुदेव देवनानी, संदीप शर्मा, भरत सिंह, धर्मनारायण जोशी, शंकर सिंह रावत, संजय शर्मा, जगसीराम, मदन दिलावर, अविनाश, बिहारीलाल विश्नोई ऐसे विधायकों में शुमार रहे, जिन्होंने पांच सौ से ज्यादा सवाल लगाए।

प्रश्न उठाने में रहे पीछे... दो माननीय रहे '0' पर

परसराम मोरदिया | राजेन्द्र विधूड़ी | दीपचंद खैरिया | जितेन्द्र सिंह | सुरेन्द्र सिंह राठौड़

सवाल पूछने में सबसे कमजोर विधायक

विधानसभा के आठों सत्र में परसराम मोरदिया, दीपचंद खैरिया, जितेन्द्र सिंह, राजेन्द्र विधूड़ी व अनिल शर्मा ने एक भी सवाल नहीं पूछा। यह सभी विधायक सत्ता पक्ष के थे। वहीं, भाजपा के सुरेन्द्र सिंह राठौड़ और निर्दलीय महादेव सिंह खण्डेला ने एक-एक, कांग्रेस के वीरेन्द्र सिंह ने दो और सुदर्शन सिंह रावत ने तीन सवाल पूछे। भाजपा की सिद्धिकुमारी ने केवल 57 अतांरकित सवाल लगाए। वहीं, कांग्रेस की रीटा चौधरी ने छह और जौहरी लाल मीणा ने पांच ही सवाल पूछे।

सौगात: 2,422 करोड़ की लागत की सड़कें

1,514 गांवों तक पहुंचेंगी सड़कें सीएम आज करेंगे शिलान्यास

बेधड़क | जयपुर

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सोमवार को सीएमआर से 1,514 राजस्व गांवों को सड़कों से जोड़ने के कार्यों का शिलान्यास करेंगे। यह सड़क 2,422 करोड़ की लागत से तैयार होगी। कार्यक्रम में सार्वजनिक निर्माण मंत्री भजनलाल जाटव सहित कई अतिथि उपस्थित रहेंगे। विभाग के प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया ने बताया कि यह राज्य स्तरीय कार्यक्रम दोपहर 12 बजे वर्चुअली होगा। इसमें संबंधित ग्राम पंचायत स्तर तक के कार्यालय ऑनलाइन जुड़ेंगे।

गालरिया ने बताया कि सीएम गहलोत साल 2011 की जनगणनानुसार सामान्य क्षेत्रों में 350 व अधिक आबादी, जनजातीय और मरुस्थलीय क्षेत्रों में 250 से अधिक आबादी के 778 राजस्व गांवों को 1,192 करोड़ तथा जनगणना वर्ष 2011 के पश्चात घोषित सामान्य क्षेत्रों में 500 व अधिक आबादी और जनजातीय एवं मरुस्थलीय क्षेत्रों में 250 से अधिक आबादी के 736 राजस्व गांवों को 1,230 करोड़ की लागत की सड़कों से जोड़ने के कार्यों का शिलान्यास करेंगे। इन गांवों को नवीन डामर सड़कों से जोड़ा जाएगा।

गांवों में मजबूत होंगी शिक्षा, स्वास्थ्य आदि की सुविधाएं

इससे इन गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, रोजगार आदि सुविधाएं मजबूत होंगी। राज्य के ग्रामीण, जनजातीय एवं मरुस्थलीय क्षेत्रों में विकास के उद्देश्य से बांसवाड़ा में 35, बाड़मेर में 827, जैसलमेर में 74, जोधपुर में 250, जयपुर में 5, उदयपुर में 100, टोंक में 21, डूंगरपुर में 21 सहित कुल 1514 राजस्व गांवों को नवीन सड़कों से जोड़ने के कार्यों का शिलान्यास होगा।

इसरो: सिंगापुर के 7 उपग्रह किए कक्षा में स्थापित

उपलब्धि: पीएसएलवी मिशन में विशिष्ट वैज्ञानिक प्रयोग सफल

एजेंसी | श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश)

इसरो के वैज्ञानिकों को रविवार को दोहरी सफलता हासिल हुई। एक ओर से तो उसने सिंगापुर के सात उपग्रहों का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया, वहीं दूसरी ओर उसे पीएसएलवी रॉकेट के चौथे चरण को लेकर विशिष्ट वैज्ञानिक प्रयोग में भी सफलता हासिल की। इसरो ने रविवार को अपने भरोसेमंद 'ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान' (पीएसएलवी) से सिंगापुर के सात उपग्रहों को निर्दिष्ट कक्षा में स्थापित किया। इसरो के अनुसार, आम तौर पर एक मिशन के सफल होने के बाद पृथ्वी के वायुमंडल में फिर से प्रवेश करने से पहले एक रॉकेट अंतरिक्ष मलबे के रूप में एक कक्षा में 'दशकों' तक घूमता है। अब रविवार के प्रयोग के साथ ही यह अवधि घट कर 'दो माह' हो गई है।

राकेट लाया जाएगा 300 किमी पर: सोमनाथ

इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने कहा कि वैज्ञानिकों ने विशिष्ट वैज्ञानिक प्रयोग करने का निर्णय लिया, जिसमें सभी उपग्रहों को 536 किमी की ऊंचाई पर निर्धारित कक्षाओं में स्थापित कराने के बाद, रॉकेट के चौथे चरण को 300 किमी पर लाया जाएगा। इसका मकसद अंतरिक्ष में कचरे की समस्या को कम करना है।

- पहला-पीएसएलवी को ऊपरी चरण से नियंत्रित तरीके से वापस लाने के लगातार प्रयासों के जरिये अंतरिक्ष में कचरे की समस्या को कम करना।
- दूसरा-इस मिशन में इस लक्ष्य को प्राप्त करके देखना।'

मरुधरा पर मानसून मेहरबान

कई जिलों में मानसून के तीन माह की बारिश का आंकड़ा डेढ़ माह में पार

- 60 दिन, आधा दर्जन शहर, 20 इंच से अधिक वर्षा
- 21 जिले,100 से अधिक ग्रामीण इलाके, 40 इंच तक बरसात
- सिरोही के माउंट आबू में दो महीने में 72 इंच बरसा पानी

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में इस वर्ष इंद्र देव खूब मेहबान हुए हैं। कई जिलों में मानसून के तीन महीने की बारिश महज डेढ़ महीने में ही हो चुकी है। वहीं, आधा दर्जन शहरों में 60 दिन में 20 इंच से भी अधिक बारिश दर्ज हो चुकी है। बता दें, रविवार तक पिछले तीन दिनों में सर्वाधिक बारिश जयपुर शहर में 206 एमएम हुई। सीकर में 119, सिरोही में 97, अजमेर में 87.7 और अलवर में 80.6 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई। ग्रामीण इलाकों की बात करें तो इस बार 21 जिलों की 121 तहसीलों में 20 इंच से 68 इंच तक बारिश हो चुकी है।

फोटो: पंकज शर्मा

प्रदेश के 21 जिलों के ग्रामीण इलाकों में 1 जून से 30 जुलाई यानी दो माह में 20 से 45 इंच तक बारिश दर्ज की गई। सर्वाधिक वर्षा सिरोही के माउंट आबू में 1796 एमएम (72 इंच) हुई, वहीं 13 जगह 20 इंच से अधिक दर्ज की गई। इसके अलावा पाली जिले की 23 जगहों पर भी भारी बारिश दर्ज की गई, जिसमें सर्वाधिक सुमेरपुर में 1033 एमएम (41 इंच से अधिक) दर्ज हुई। राजसमंद और भीलवाड़ा जिले के 10, जालोर के 9, टोंक और उदयपुर के 8- 8 और जयपुर के 5 स्थानों सहित अधिकतर जिलों के ग्रामीण इलाकों में 20 इंच अधिक मेघ बरसे।

बाड़मेर में अब तक हो चुकी 239.3% बरसात

प्रदेश के जिन आधा दर्जन जिलों में मानसून के तीन महीने की औसत बारिश करीब डेढ़ महीने में हो चुकी है, उनमें सर्वाधिक बारिश बाड़मेर जिले में औसत की 239.3% हुई, यहां सामान्यत: पिछले वर्षों में औसतन 130.20 एमएम बारिश होती है, जबकि इस वर्ष रविवार तक 441.79 एमएम हो चुकी है। उधर, जालोर में 228, पाली में 165.8, जोधपुर में 117 और सिरोही में औसत की 157.5 प्रतिशत बारिश हो चुकी है। जबकि अभी आधा मानसून भी नहीं बीता है।

जालोर शहर में 40 इंच से अधिक बरसे मेघ

प्रदेश के आधा दर्जन से अधिक जिलों में 1 जून से 30 जुलाई तक 20 इंच से अधिक बारिश दर्ज की गई। इनमें सर्वाधिक जालोर में 1,008 एमएम (40 इंच से अधिक), अजमेर में 771 एमएम (31 इंच), प्रतापगढ़ में 654 एमएम (26 इंच), सिरोही में 647 एमएम (25 इंच से अधिक), चित्तौड़गढ़ में 602 एमएम (24 इंच), राजसमंद में 582 एमएम (23 इंच), बांसवाड़ा में 578 एमएम (23 इंच), पाली में 573 एमएम (23 इंच) और जयपुर में 539 एमएम (21 इंच) बारिश दर्ज की गई।

जरूरी खबर

जोधपुर की आरती सोनी बनीं प्रथम विजेता

जयपुर। जनसम्मान वीडियो कॉन्टेस्ट के जरिए पूरे राजस्थान में सोशल मीडिया के माध्यम से योजनाओं के प्रचार-प्रसार को गति मिल रही है। साथ ही लोग योजनाओं पर आधारित वीडियो बनाकर हर दिन लाखों रुपए जीत रहे हैं। 27 जुलाई गुरुवार को आयोजित कॉन्टेस्ट के परिणाम रविवार को जारी किए गए, जिसमें जोधपुर की आरती सोनी ने प्रथम पुरस्कार के रूप में एक लाख रुपए जीते। दूसरे स्थान पर रतनगढ़, चूरू के मनीष शंकोलिया ने 50 हजार रुपए व संगरिया, हनुमानगढ़ की किरणजीत कौर ने 25 हजार की राशि जीत कर तीसरा स्थान प्राप्त किया।

बूथ स्तरीय कार्यकर्ता बनाने में जुटी कांग्रेस

जयपुर। भाजपा की तर्ज पर कांग्रेस भी बूथ स्तर पर पन्ना प्रमुख व्यवस्था के अनुरूप माइक्रो मैनेजमेंट करने में जुट गई है। सभी जिलों में इसको लेकर तेजी से काम हो रहा है। जहां जिला, ब्लॉक, मंडल, वार्ड व बूथ स्तर पर तक कार्यकर्ताओं को शामिल कर कार्यसमितियां बनाई जा रही हैं। इन कार्यकारिणियों में जोधपुर शहर कांग्रेस के जिला उत्तर व दक्षिण में 10 हजार से ज्यादा कार्यकर्ताओं को शामिल किया जाएगा। फिलहाल शहर उत्तर व दक्षिण जिले की कार्यकारिणी में 72-72 कार्यकर्ताओं को शामिल किया गया है। अब ब्लॉक और 33 मंडलों की कार्यकारिणी बनाई गई है। हर ब्लॉक में अध्यक्ष के अलावा 50, मंडल में अध्यक्ष के अलावा 30 कार्यकर्ता शामिल हैं।

एनएसयूआई ने बीस नए जिलाध्यक्ष बनाए

जयपुर। आगामी छात्र संघ चुनाव और विधानसभा चुनाव के मद्देनजर रविवार को छात्र संगठन एनएसयूआई ने प्रदेश के सभी जिलों की कार्यकारिणी को भंग करते हुए, नए जिला अध्यक्षों की घोषणा की है। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज कुंदन के निर्देश पर प्रदेश प्रभारी गुरजोत सिंह संधू ने प्रदेश के सभी जिला अध्यक्ष और जिला कमेटियों को भंग करते हुए 20 जिलों में जिला अध्यक्षों की घोषणा की है। बाकी जिलों में जल्द नामों की घोषणा होगी।

राज्य सरकार पर भाजपा का जुबानी हमला, रोजगार में भी तुष्टीकरण के लगाए आरोप

1.20 लाख संविदा नौकरी का वादा, दी सिर्फ 3 हजार: राठौड़

बेधड़क | जयपुर

'नहीं सहेगा राजस्थान' अभियान के तहत मंगलवार को होने वाले जयपुर सचिवालय महाघेराव से पहले भाजपा नेता लगातार जुबानी हमला बोल राज्य सरकार को घेर रहे हैं।

रविवार को भाजपा मुख्यालय से राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और सांसद रामचरण बोहरा ने बेरोजगारी के मुद्दे को लेकर कांग्रेस सरकार पर सवाल उठाए।

राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने वादा किया था कि हम प्रदेश में 1.20 लाख युवाओं को संविदा पर नौकरी देंगे। इतना समय

बीत जाने के बाद भी सरकार ने महज तीन से चार हजार युवाओं को संविदा पर नौकरी दी है। इसमें भी शर्त लगाई गई तीन साल को एक साल माना जाएगा और कम से कम 15 साल के अनुभव वाले लोगों को संविदा पर भर्ती किया जाएगा। राठौड़ ने आरोप लगाते हुए कहा कि संविदाकर्मियों की भर्ती में भी तुष्टीकरण करने से कांग्रेस सरकार बाज नहीं आई। सबसे पहले मदरसों में काम करने वाले लोगों को संविदा नौकरी में प्राथमिकता दी गई।

राठौड़ बोले कि केंद्र की मोदी सरकार जब नौकरी के लिए सम्मेलन या शिविर लगाती है तो एक साथ 60-70 हजार लोगों को नौकरी देती है और वह नौकरी संविदा पर नहीं होती, यह सरकारी नियुक्ति होती है। इस तरह से केंद्र सरकार दस लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देगी। कांग्रेस सरकार अब सभी विभागों में थर्ड पार्टी कॉन्ट्रेक्ट पर नौकरी देने का काम शुरू करेगी। वहीं रविवार को भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने पदभार ग्रहण किया। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, उप नेता प्रतिपक्ष सतीश पूनियां, अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी और मोर्चे के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष मोहम्मद सादिक सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

कांग्रेस सरकार के फेल कार्ड बांटे

जयपुर सांसद रामचरण बोहरा ने कहा कि एक अगस्त को प्रदेशभर से बड़ी संख्या में लोग इस भ्रष्ट और अराजक सरकार को घेरने जयपुर पहुंचेंगे। नहीं सहेगा राजस्थान अभियान के तहत भाजपा कार्यकर्ता और पदाधिकारियों ने गांव-गांव और ढाणी-ढाणी पहुंचकर कांग्रेस सरकार के फेल कार्ड बांटे। प्रदेश की जनता में कांग्रेस सरकार को लेकर गहरा रोष है। कानून व्यवस्था से लेकर महिला उत्पीड़न और पेपर लीक जैसे प्रकरणों के चलते प्रदेश की प्रतिष्ठा धूमिल हुई है।

केंद्र ने किया मदरसों का आधुनिकीकरण

नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि जो गलती प्रदेश के अल्पसंख्यकों ने 2018 में की है। उसे दोहराना नहीं है। इस बार अल्पसंख्यक समुदाय को ऐसी सरकार चुननी है, जो उनके उत्थान के लिए काम कर सके ना कि ऐसी सरकार जो केवल अल्पसंख्यकों को वोट बैंक समझे। मदरसों के आधुनिकीकरण की बात अगर किसी ने की है तो आजादी के 70 साल बाद मोदी सरकार ने की है। कांग्रेस सरकार सिर्फ वोट लेने का काम करती है और झूठे वादों से सरकार बनते ही जनता से किए वादों को भूल जाती हैं।

कांग्रेस ने अल्पसंख्यकों को वोट बैंक समझा

उप नेता प्रतिपक्ष सतीश पूनियां ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा मुसलमानों को वोट बैंक की तरह यूज किया है। केंद्र सरकार की ओर से जो भी योजनाएं आईं। उसका फायदा अल्पसंख्यकों को भी मिला है। लोग कहते थे राम मंदिर बन जाएगा। कश्मीर में धारा 370 हट जाएगी तो ऐसा हो जाएगा वैसा हो जाएगा। आज कश्मीर में पर्यटन बढ़ने से वहां के मुसलमान के लिए रोजगार के अवसर बढ़े हैं। उसकी जीवन शैली में बदलाव आया है।

कर्जमाफी पर नया फॉर्मूला, बैंक और किसान में सेटलमेंट की तैयारी

किसानों की जमीनों को कुर्क होने से बचाएगा नया कानून

■ केंद्र से मांग पूरी नहीं हुई तो राहत देने का निकाला नया रास्ता

■ विधानसभा में 2 अगस्त को बिल लाएगी गहलोत सरकार

■ राजस्थान राज्य कृषक ऋण राहत आयोग का होगा गठन

बेधड़क | जयपुर

किसान कर्जमाफी पर प्रदेश की गहलोत सरकार नया फॉर्मूलालेकर आ रही हैं। यह फॉर्मूला प्रदेश के किसानों की जमीन कुर्क होने से बचाएगा। इसके लिए राज्य सरकार राजस्थान राज्य कृषक ऋण राहत आयोग का गठन करने जा रही हैं।

प्रदेश के किसानों की जमीनें कुर्क होने से बचाने और कर्जमाफी से राहत दिलाने के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार से केंद्रीकृत बैंकों का वन टाइम सेटलमेंट करवाने की बार-बार मांग रख चुके हैं, लेकिन इसके के बाद भी केंद्र सरकार कांग्रेस की इस मांग पर ध्यान नहीं दे रही है।

अब इस मांग को केंद्र ने पूरा नहीं किया तो अब कांग्रेस सरकार ही इस समस्या के समाधान नए फॉर्मूले से निकालने जा रही है।

किसानों पर दवाब नहीं बना सकेंगे बैंक या कंपनी

चुनावों से पहले किसानों को साधने और किसानों की कर्ज की समस्या का समाधान निकलने के लिए गहलोत सरकार अब राजस्थान राज्य कृषक ऋण राहत आयोग का गठन करने जा रही है। इसके लिए दो अगस्त को विधानसभा में कांग्रेस सरकार बिल लेकर आएगी। जिस पर चर्चा होने के बाद संभवत इसे पारित कर दिया जाएगा। विधानसभा में यह बिल पेश कर कांग्रेस सरकार पारित करवाएगी। आयोग बनने के बाद कोई भी फाइनेंशियल संस्था जैसे बैंक या कंपनी जिसने किसानों को ऋण दिया है, वह किसी भी कारण से फसल खराब होने की हालत में कर्ज वसूली को लेकर उन पर वसूली का दवाब नहीं बना सकेंगे। किसान फसल खराब होने पर कर्ज माफी की मांग करते हुए इस आयोग में आवेदन कर सकेंगे।

सेवानिवृत्त न्यायाधीश होंगे आयोग के अध्यक्ष

बिल पास होने के बाद यह आयोग किसानों और ऋण देने वाले बैंकों या कंपनी के बीच सेटलमेंट को लेकर काम करेगा। यह एक न्यायलय की तरह काम करेगा। जिस तरह कोर्ट सुनवाई करेगा उसी तरह से किसानों की आरे से दिए गए परिवाद पर सुनवाई करेगा। इस आयोग में हाईकोर्ट से रिटायर्ड जज को अध्यक्ष बनाया जाएगा। वहीं चार सदस्य होंगे, जो मुख्य सचिव या प्रमुख शासन सचिव पद से रिटायर्ड आईएएस अधिकारी होंगे। साथ ही जिला और सेशन कोर्ट से रिटायर्ड जज, बैंकिंग सेक्टर के अनुभवी अधिकारी और कृषि विशेषज्ञ भी इसमें होंगे। अध्यक्ष का कार्यकाल अधिकतम तीन वर्ष का होगा।

कर्ज को री-शेड्यूल कर सकता है आयोग

किसानों पर ब्याज बढ़ाकर उन्हें कर्जे में लाने वालों पर आयोग लगाम कसने का काम करेगा। किसान की हालत अगर कर्जा चुकाने लायक नहीं होगी तो सभी तथ्यों और रिपोर्ट के आधार पर उसे संकटग्रस्त घोषित कर सकेगा। संकटग्रस्त घोषित किसान से जबरदस्ती कर्ज की वसूली नहीं की जा सकेगी। आयोग सेंट्रलाइज्ड बैंकों और कॉमर्शियल बैंकों से लिए गए किसानों के कर्ज को री-शेड्यूल करने से लेकर कर्जमाफी तक का शॉर्ट टर्म लोन को मिड टर्म या लॉन्ग टर्म में बदलने के लिए भी री-शेड्यूल करने का आदेश जारी कर सकेगा। यहीं नहीं अगर कहीं अकाल या प्राकृतिक आपदा से किसान को नुकसान हुआ तो आयोग पूरे जिले को भी संकटग्रस्त घोषित कर सकेगा।

19 हजार 422 किसानों के हो चुके कुर्की आदेश

प्रदेश में एक बार फिर किसानों का मुद्दा हर पार्टी की जुबान पर है। भाजपा और कांग्रेस किसान कर्जमाफी को लेकर एक-दूसरे पर लगातार जुबानी हमला हमला बोलते रहते हैं। लाखों किसानों के कर्ज माफी का दावा करने के बाद भी कर्जा किसानों में माथे से नहीं उतर रहा है। हालात यह हैं कि 19 हजार 422 किसानों की जमीनें कर्जा जमा नहीं कराने के कारण कुर्की की कगार पर हैं। पिछले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने सत्ता में आते ही 10 दिन में सभी किसानों के कर्ज माफी का वादा किया। लेकिन किसानों केंद्रीकृत बैंकों का कर्जमाफ अभी तक नहीं किया गया।

बजरी माफिया को हनुमान बेनीवाल का साथ

अवैध बजरी रोके सरकार, आंदोलन की दी चेतावनी

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में अवैध बजरी को लेकर नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो चुका है। पिछले दिनों बजरी के दोहन और अवैध टांसपोर्ट पर सांसद हनुमान बेनीवाल ने प्रदर्शन किया था। वहीं रविवार को ऑल राजस्थान बजरी ट्रक ऑपरेटर्स वेलफेयर सोसाइटी की ओर से हनुमान बेनीवाल पर बजरी माफिया का साथ देने का आरोप लगाया है।

सोसायटी के अध्यक्ष नवीन शर्मा ने प्रेस वार्ता करते हुए कहा कि हनुमान बेनीवाल की वजह से राजस्थान में एक बार फिर अवैध बजरी का काम पनप गया है। उन्होंने कहा कि जो लोग सरकार को राजस्व देकर नियमों के तहत काम कर रहे थे। उन्हें हर दिन बजरी माफिया से जुड़े लोग, पुलिस और प्रशासन परेशान कर रहा है। जबकि सड़कों पर दौड़ रहे अवैध बजरी से भरे ट्रक-डम्परों पर पुलिस और खनन विभाग कोई कार्रवाई नहीं कर रहा। उन्होंने कहा कि सांसद बेनीवाल ने पिछले दिनों अवैध बजरी माफिया और जाति विशेष के लोगों के साथ लीगल बजरी लीज धारकों के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रदेशभर में बजरी माफिया को शह देकर लड़ाई-झगड़े शुरू करा दिए।

जिसके डर से कोई भी लीगल व्यापारी काम नहीं कर पा रहा है। बेनीवाल के बेवजह प्रदर्शन के बाद हालत बद से बदतर हो गए हैं। उन्होंने कहा कि अगर सरकार ने अवैध बजरी माफिया के खिलाफ करवाई नहीं की तो ऑल राजस्थान बजरी ट्रक ऑपरेटर्स वेलफेयर सोसाइटी अगस्त के दूसरे सप्ताह से जयपुर में बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

धर्मगुरुओं ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से उनके निवास पर रविवार को धर्मगुरुओं के प्रतिनिधिमण्डल ने मुलाकात की। अलग-अलग धर्मगुरुओं ने मुख्यमंत्री की कुशलक्षेम पूछी और उनके स्वास्थ्य के लिए शुभकामनाएं दी।

वुमन ऑफ वंडर अवॉर्ड-2023 में राजे ने की शिरकत

अपने ही अधिकारों के लिए लड़ रही महिलाएं

बेधड़क | जयपुर

दुनिया में सबसे बड़ा संविधान भारत का है। जिसमें महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार दिए गए हैं। इसके बावजूद महिलाओं को अपने ही अधिकारों के लिए लड़ना पड़ रहा है।

आज भी उनकी जिंदगी से जुड़े अहम फैसले पुरुष ही ले रहे हैं। यह बात प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने कहीं। वह रविवार को 'वुमन ऑफ वंडर अवॉर्ड-2023' के अवसर पर बोल रही थीं। राजे ने कहा कि मैं जब राजस्थान की राजनीति में आई तब मुझे भी बहुत संघर्ष

करना पड़ा। जो आज भी कम नहीं हुआ है। अगर मैं डर जाती तो यहां तक नहीं पहुंचती। पूर्व सीएम राजे ने कहा कि नारी जब साधना के साथ संकल्प लेती है तो पहाड़ों को भी हिला कर रख देती हैं।

राजे ने 3 तलाक से महिलाओं को राहत दिलाने के पीएम नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया। राजे ने कहा कि भले ही महिलाएं खुश हो लें कि आजादी के 75 सालों में वह अंतरिक्ष पर पहुंच गई।

लेकिन महिलाओं का प्रतिनिधित्व बेहद कम है। जबकि साइकिल के दोनों पहियों की तरह समाज का संतुलन पुरुष और महिला पर टिका है। जिनकी बराबर भागीदारी से ही देश विकसित होता है।

चुनाव से पहले पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल

सीओ रैंक के 82 आरपीएस अधिकारियों के तबादले

बेधड़क | जयपुर

विधानसभा चुनाव से पहले सरकार पुलिस महकमे में बड़े स्तर पर फेरबदल कर रही है। निर्वाचन आयोग द्वारा दी गई डेडलाइन खत्म होने से एक दिन पहले पुलिस महकमे में सीओ रैंक के 82 आरपीएस अधिकारियों के तबादले किए गए हैं।

इस संबंध में डीजीपी उमेश मिश्रा ने रविवार को आदेश जारी किए हैं। बता दें कि पिछले महीने निर्वाचन आयोग ने सरकार को निर्देश जारी किए थे कि तीन साल या इससे अधिक समय से एक ही जिले में तैनात अधिकारियों का वहां

से तबादला किया जाए। आदेश के अनुसार जयपुर में 8 एसीपी बदले गए हैं। इनमें आदित्य पूनिया को एसीपी आमेर, झाबरमल यादव को एसीपी यातायात, जयपुर दक्षिण, नरेंद्र कुमार पारीक को एसीपी रामगंज, राजेश कुमार जांगिड़ को एसीपी शास्त्री नगर, रामावतार को एसीपी कंट्रोल रूम, जयपुर,

नंदलाल सैनी को सीओ जेडीए लगाया

पुलिस मुख्यालय के आदेशानुसार नंदलाल सैनी को सीओ जेडीए, जयपुर, आलोक कुमार सैनी को सहायक कमांडेंट, पांचवी बटालियन आरएसी (जयपुर), अरविंद विश्नोई को सीआईडी सीबी, पुलिस मुख्यालय (जयपुर), दीपक गर्ग को सीओ, सीआईडी एसएसबी, मुख्यमंत्री सुरक्षा (जयपुर) लगाया गया है।

रणवीर सिंह मीणा को एसीपी आदर्श नगर, सुरेन्द्र सिंह राणावत एसीपी झोटवाड़ा व जय सिंह को एसीपी सदर जयपुर लगाया गया है।

बाबूलाल मीणा को सीओ धौलपुर ग्रामीण का जिम्मा

अजीत पाल को सीओ, एससी-एसटी सेल, (सीकर), अमर सिंह को सीओ, सीआईडी, एसएसबी (कोटा), अनिल सारण को सीओ, रामसर (बाड़मेर), अनूप सिंह को सीओ, एससी-एसटी सेल (कोटा शहर),बाबूलाल मीणा को सीओ धौलपुर (ग्रामीण), दरजाराम बोस को सीओ, मांडल (भीलवाड़ा), दीपक खंडेलवाल को सवाई माधोपुर (शहर), दीपचंद को सीओ सुजानगढ़ (चूरू) देरावर सिंह सोढा को सीओ, आबकारी विभाग लगाया गया है। धर्म चंद विश्नोई को सीईओ, डीडवाना (नागौर), डूंगर सिंह चुंडावत को सीओ, सलूंबर (उदयपुर), गिरधर सिंह को सीओ, साइबर क्राइम (जैसलमेर), गोपाल लाल खटीक को सीओ, सीमलवाडा (डूंगरपुर), हेमंत कुमार को सहायक कमांडेंट, हाडी रानी महिला बटालियन (अजमेर), हिमांशु शर्मा को सीओ बीकानेर (शहर), जयप्रकाश को सीओ तारानगर (चूरू), जरनैल सिंह को सीओ किशनगढ़ ग्रामीण (अजमेर), कालूराम वर्मा को सीओ, गंगधार (झालावाड़), कमल प्रसाद मीणा को सीओ, लक्ष्मणगढ़ (अलवर), किशन सिंह राठौड़ को सीओ, आबकारी विभाग, लादूराम विश्नोई को सीओ, गंगापुर (भीलवाड़ा), लक्ष्मण राम को सीओ, भीलवाड़ा सदर, महेंद्र कुमार को सीओ, बाड़ी (धौलपुर) और मजीद खान को सीओ, आबकारी विभाग, बीकानेर लगाया गया है।इसी प्रकार मनोज कुमार गुप्ता को सीओ भवानीमंडी (झालावाड़), मुनेश कुमार को सीओ, तिजारा (भिवाड़ी), नानालाल सालवी को सीओ, घाटोल (बांसवाड़ा) लगाया गया है। नेत्रपाल सिंह राव को सीओ, छबड़ा, बारां, पवन कुमार भदोरिया को सीओ, सरदारशहर, चूरू, पूजा नागर को सीओ, साइबर क्राइम, बारां, प्रवेंद्र सिंह महला को सीओ, हिंडौन सिटी, करौली, प्रेम बहादुर निर्भय को सीओ, महवा, दौसा, पुष्पेंद्र सिंह ज्वाला को सीओ, एससी-एसटी सेल, हनुमानगढ़, रजत विश्नोई को सीईओ, गिरवा, उदयपुर, राजेश कुमार शर्मा को सीओ, अलवर ग्रामीण, राम सिंह जाट को सीओ, बानसूर, अलवर, रामचंद्र को सीओ, अजमेर दक्षिण, रमेश तिवारी को सीओ, एससी-एसटी सेल, टोंक, रामप्रताप विश्नोई को सीओ, फतेहपुर (सीकर) लगाया गया है।

एयरपोर्ट पर कार्गो सेवा कल से शुरू

बेधड़क | जयपुर

जयपुर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर नई शुरुआत होने जा रही है। जयपुर एयरपोर्ट प्रशासन 1 अगस्त से 2300 मेट्रिक टन प्रति माह क्षमता के घरेलू कार्गो इकाई की शरुआत कर रहा है। इंडिगो एयरलाइंस को नए कार्गो यूनिट में ऑनबोर्ड कर लिया गया है। अब एयरलाइंस अपना सारा डोमेस्टिक कार्गो बिजनेस नए कार्गो यूनिट से संचालित करेगी। नई कार्गो इकाई 550 वर्ग/मीटर के क्षेत्र को कवर करती है और मासिक रूप से 2300 मीट्रिक टन कार्गो को संभालने में सक्षम है। इसके लिए एयरपोर्ट प्रशासन ने एयरपोर्ट इकोनॉमिक रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया से जरूरी अनुमति ले ली है। एयरपोर्ट प्रशासन ने एक निजी कंपनी-बेंगलोर एयरपोर्ट टर्मिनल सर्विसेज प्राईवेट लिमिटेड के साथ अनुबंध किया है, जो कार्गो सेवाओं का संचालन करेगी। कार्गो टर्मिनल शुरू होने से जयपुर एयरपोर्ट से देश के दूसरे शहरों के लिए कीमती सामान, ज्वैलरी, ब्लड सैम्पल, दवाईयां, मृत देह, दस्तावेज, फल, सब्जी, खान-पान के पैक्ड आइटम, खराब होने वाले सामान, ई-कॉमर्स आइटम और अन्य तरह की डेंजरस श्रेणी की सामग्री भी भेजी जा सकेगी।

जरूरी खबर

प्रदेश में एविएशन सिक्योरिटी कल्चर वीक शुरू

जयपुर। नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) सोमवार से राजस्थान के सभी हवाई अड्डों पर छह दिवसीय एविएशन सिक्योरिटी कल्चर वीक का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में यात्रियों और अन्य सभी हवाई अड्डे के हितधारकों के लिए सी इट, से इट, सिक्योर इट की थीम पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बीसीएएस के क्षेत्रीय निदेशक धारा सिंह ने बताया कि पहली बार जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और राज्य के अन्य एयरपोर्ट्स पर एविएशन सिक्योरिटी कल्चर वीक का आयोजन किया जा रहा है। इस उत्सव का मुख्य उद्देश्य सुरक्षा संबंधी जागरूकता पैदा करना और प्रारंभिक स्तर पर संभावित खतरों की पहचान करना है।

तीन लाख से ज्यादा अभ्यर्थी रहे अनुपस्थित

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से रविवार को वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा विभाग) परीक्षा-2022 के तहत ग्रुप-ए तथा बी सामान्य ज्ञान विषय की परीक्षा का पुनः आयोजन किया गया। हालांकि इस परीक्षा में अभ्यर्थियों की संख्या कमी से हर तरफ चर्चा बनी रही। मुख्य परीक्षा नियंत्रक आशुतोष गुप्ता ने बताया कि आयोग की ओर से प्रदेश के 28 जिलों में परीक्षा आयोजन कराया गया। इसमें ग्रुप-ए की सामान्य ज्ञान परीक्षा का आयोजन सुबह 10 से 12 बजे तक किया गया। इस परीक्षा में पंजीकृत 4 लाख 31 हजार 416 अभ्यर्थियों में से 1 लाख 26 हजार 640 अभ्यर्थियों ने ही परीक्षा में भाग लिया। इसके अलावा ग्रुप-बी सामान्य ज्ञान की परीक्षा दोपहर 2.30 से 4.30 बजे तक आयोजित की गई। इसमें पंजीकृत 3 लाख 93 हजार 469 अभ्यर्थियों में से 1 लाख 42 हजार 299 अभ्यर्थी ही परीक्षा में सम्मिलित हुए।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए ख़बर, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें।

राजस्थान मुद्रांक एवं पंजीयन विधियां पुस्तक का लोकार्पण कई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने की शिरकत

एक ही पुस्तक में मिलेगी सारी जानकारी: IAS राजेश्वर सिंह

बेधड़क | जयपुर

पंजीयन और मुद्रांक की विधि और कानून की व्याख्या और जानकारी के लिए बनी राजस्थान मुद्रांक एवं पंजीयन विधियां पुस्तक का लोकार्पण रविवार को आरएएस क्लब में किया गया।

पुस्तक के लेखक अतिरिक्त महानिरीक्षक पंजीयन एवं मुद्रांक और आरएएस भगवत सिंह राठौड़ और सेवानिवृत्त असिस्टेंट ऑडिट ऑफिसर उमेश जोशी हैं। पुस्तक का लोकार्पण राजस्व मंडल के अध्यक्ष आईएएस रामेश्वर सिंह, शासन सचिव वित्त (राजस्व) के.के. पाठक, राजस्व मंडल के निबंधक एवं महानिरीक्षक महावीर प्रसाद, राजस्थान आवासन मंडल के आयुक्त पवन अरोड़ा ने किया। इस दौरान तहसीलदार सृष्टि जैन सहित अधिकारी लोकार्पण समारोह में मौजूद रहे।

स्टाम्प एक्ट से संबंधित नियमों को पिरोया एक सूत्र में: लेखक

इस अवसर पर लेखक भगवतसिंह राठौड़ ने बताया कि राजस्थान में पूर्व के स्टाम्प एक्ट से संबंधित सभी नियम और न्यायालयों के प्रमुख निर्णय एक स्थान पर नहीं थे। इसी को ध्यान में रखते हुए पुस्तक को बनाया गया है। पुस्तक में संबंधित कानूनों, नियम, परिपत्र, विभिन्न न्यायालयों के प्रमुख सभी निर्णयों को एक ही साथ लिपिबद्ध किया गया है, जो सभी के लिए समान रूप से उपयोगी होगी।

पुस्तक की प्रस्तुति की सराहना

राजस्व मंडल के अध्यक्ष और मुख्य अतिथि IAS राजेश्वर सिंह ने पुस्तक की प्रस्तुति की सराहना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पंजीयन मुद्रांक और विधियों का संकलन और व्याख्या इस पुस्तक में की गई है। इन मामलों की यह संभवत: पहली पुस्तक है। इस दौरान अतिथियों ने भी पुस्तक के प्रकाशित होने पर अपने-अपने विचार व्यक्त किए। समारोह में पूर्व आईएएस जी.एस.कुशवाहा, धर्मेंद्र भटनागर, आईएएस अरुण गर्ग, आईएएस टीकम चंद बोहरा, आईएएस शरद मेहरा, आरएएस शाहीन अली, आरएएस पंकज ओझा, आरएएस विनोद पुरोहित, आरएएस जी.एस.राठौड़ सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

कब सुधरेंगे हालात: कागजों में दौड़ रहा 142 करोड़ का ड्रेनेज प्रोजेक्ट

ड्रेनेज सिस्टम फेल, 24 घंटे बाद भी सड़कों पर जमा पानी

जनता ने जताया रोष तो विधायकों ने छुट्टी के दिन भी खुलवाया जेडीए ऑफिस

बेधड़क | जयपुर

बारिश के पानी को सड़कों पर जमा नहीं होने के लिए जेडीए पिछले साल करीब 142 करोड़ रुपए का ड्रेनेज सिस्टम प्रोजेक्ट लेकर आया था, लेकिन ये प्रोजेक्ट कागजों में ही स्पीड से चल रहा है। हकीकत में वर्तमान में भी ड्रेनेज सिस्टम प्रोजेक्ट के तहत सिर्फ कुछ ही इलाकों में काम हो पाया है। हालांकि ड्रेनेज सिस्टम प्रोजेक्ट के बारे में अधिकारियों ने तर्क दिया कि अभी सिस्टम के तहत पूरे शहर में बड़े नाले डाले जा रहे हैं। कुछ जगहों पर नाले डाले हैं तो वहां जलभराव भी नहीं हुआ, लेकिन शहर की आबादी और बढ़ते क्षेत्र को देखते हुए ये पूरी तरह फेल साबित हुआ। कई इलाकों में 24 घंटे बीत जाने के बाद भी पानी नहीं उतर पाया है। शनिवार को हुई मूसलाधार बारिश के बाद कई इलाकों में सड़कों पर भरा रहा। इसके कारण लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ा।

नेता-अफसरों को कोसते रहे

शहर में बीते दिवस हुई मूसलाधार बारिश से कई इलाके जलमग्न हो गए थे। सड़कों पर जलभराव होने से लोग प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को कोसते रहे। हालांकि कुछ नेता-विधायक रविवार को जरूर फील्ड में उतरे और पानी से भरे इलाकों में लोगों की समस्याएं सुनीं। सबसे ज्यादा हालात सांगानेर और विद्याधर नगर विधानसभा में खराब रहे। विद्याधर नगर के सीकर रोड, ढेहर के बालाजी, अंबाबाड़ी, निवारू रोड, चौमूं पुलिया, वीकेआई, आकेड़ा इलाके में रविवार को भी कई जगहों पर पानी भरा रहा।

द्रव्यवती नहीं होती तो आती 81 जैसी बाढ़: लाहोटी

बारिश के बाद विधायक अशोक लाहोटी ने बताया कि द्रव्यवती नदी की वजह से आज हम सभी सुरक्षित है। अगर तत्कालीन भाजपा सरकार ने द्रव्यवती नदी को सुनियोजित तरीके से नहीं बनाया होता तो आज शहर में 81 जैसे हालात हो जाते। उन्होंने कहा कि सड़कों पर पानी के भराव से बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। लोग घरों से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं और पूरे क्षेत्र में चारों ओर दुर्गंध फैल रही है।

छुट्टी में भी खुलवाया जेडीए

पानी के भराव और ड्रेनेज सिस्टम के फेल होने पर विद्याधर नगर विधायक नरपत सिंह राजवी और सांगानेर विधायक डॉ. अशोक लाहोटी रविवार को जेडीए कार्यालय पहुंचे और जेडीसी से मुलाकात की। दोनों विधायकों ने जेडीसी डॉ. जोगाराम को बताया कि उनके विधानसभा क्षेत्र सांगानेर और विद्याधर नगर में जगह-जगह पानी भरने से हालात खराब हो गए हैं। इस समस्या से आमजन का जीवन प्रभावित हो रहा है। दोनों विधायकों ने खराब ड्रेनेज सिस्टम पर जेडीए अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की। इस दौरान विधायक लाहोटी ने बताया कि जेडीए की घोर लापरवाही से सांगानेर विधानसभा के मानसरोवर, पृथ्वीराज नगर, दुर्गापुरा, गोपालपुरा बाईपास क्षेत्र, प्रताप नगर व पिंजरापोल गोशाला क्षेत्र सहित विधानसभा क्षेत्र विद्याधर नगर की सैकड़ों कॉलोनियों में नालियां व सीवरेज की व्यवस्था नहीं होने के कारण पानी भरा हुआ है। जेडीए का ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह से फेल हो गया है। जेडीसी से जल्द बड़े नाले और कॉलोनी के छोटे नालों को बनवाकर आपस में जोड़ने की मांग की है, जिससे की सड़क पर पानी का भराव नहीं हों। विधायक राजवी ने बताया कि सीकर रोड पर लेवल डिफरेंस करने और पानी के कैंचमेंट एरिया में गलत पट्टे जारी करने से जगह-जगह भर रहा है। कालवाड़ रोड, बैनाड रोड और झोटवाड़ा की कई कॉलोनियों सहित बाहरी इलाको में भी पानी भराव की समस्या बनी हुई है। उधर, विधायक रफीक खान ने भी क्षेत्र का दौरा कर हालातों का जायजा लिया।

विद्याधर नगर थाना इलाके की घटना

फ्लैट की घंटी बजाई... नाम पूछा, मार दी गोली

बेधड़क| जयपुर

जयपुर कमिश्नरेट में रविवार को घर में घुसकर ज्वैलर पर फायरिंग करने का मामला सामने आया हैं। बदमाशों की हिम्मत इतनी बढ़ गई कि वह गोली मारने के लिए घर तक पहुंच गए। उन्होंने घर की घंटी बजाई और नाम पूछकर पैर में गोली मार दी।

विद्याधर नगर थाना इलाके में रविवार करीब शाम 6 बजे यह घटना ढेहर का बालाजी स्थित सनसाइन सिद्धार्थ टावर में हुई, जहां पर पांचवी मंजिल में रहने वाले ज्वैलर की जांघ में दो बदमाशों ने घर में घुसकर गोली मार दी। घायल अवस्था में उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने बदमाशों को पकड़ने के लिए शहर में नाकाबंदी कराई। थाना प्रभारी अजयकांत रतूड़ी ने बताया कि ज्वैलर नवीन सोनी (32) परिवार के साथ बैठा था। तभी दो बदमाशों ने घर की बेल बजाई और नवीन के बारे में पूछा। जैसे ही नवीन दोनों के पास आया तो बदमाश जांघ में गोली मार फरार हो गए।

सीसीटीवी में दो बदमाश नजर आ रहे हैं। नवीन की सीकर के श्रीमाधोपुर में ज्वैलरी शॉप है। पुलिस पैसे के लेनदेन का मामला मान रही है। फायरिंग की सूचना पर स्थानीय पार्षद दिनेश कांवट ने कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए और आरोपियों के गिरफ्तारी की मांग को लेकर थाने पर नारेबाजी की।

कचरा संग्रहण केंद्र के विरोध में किया प्रदर्शन

बेधड़क| जयपुर

नगर निगम हेरिटेज के गुर्जर की थड़ी स्थित स्वेज फार्म पर संचालित कचरा डिपो के खिलाफ स्थानीय निवासी रविवार को विरोध में उतर आए। लोगों का कहना था कि निगम प्रशासन ने आवासीय कॉलोनियों के बीच कचरा डिपो बना दिया, जिससे लोगों का जीना हराम हो गया। स्थानीय लोग निगम प्रशासन से कई बार कचरा डिपो को हटाने की मांग कर चुके थे। निगम की ओर से सुनवाई नहीं होने पर स्थानीय पार्षद अंशु शर्मा और राहुल शर्मा के नेतृत्व में लोग बड़ी संख्या में लोग कचरा संग्रहण केंद्र के बाहर एकत्र हो गए और निगम की गाड़ियों को रोकने लग गए। इस दौरान सैकड़ों लोग निगम प्रशासन के विरोध में नारेबाजी करने लगे। इसी दौरान सिविल लाइंस क्षेत्र के पूर्व विधायक अरुण चतुर्वेदी भी मौके पर पहुंचे और लोगों के विरोध का समर्थन किया।

कैसे बनेगा बाल श्रम मुक्त राजस्थान

ट्रैफिकिंग के शिकार बच्चों का देश में नंबर वन ठिकाना बना जयपुर

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश की सरकार 'बाल श्रम मुक्त' राजस्थान की अपनी कल्पना को हकीकत में बदलने के लिए अभियान चला रही है और इसी के तहत ट्रैफिकिंग के शिकार बच्चों को मुक्त करवाने का मुहिम जारी है, लेकिन इस मुहिम के बावजूद भी जयपुर ट्रैफिकिंग के शिकार बच्चों का देश में नंबर वन ठिकाना बनता जा रहा है। इसका खुलासा बच्चों की ट्रैफिकिंग पर जारी में एक रिपोर्ट में हुआ है। राजस्थान में जयपुर वह जिला है, जहां 2016 से 2022 के बीच ढाबों, दुकानों और उद्योगों में काम करने के लिए सबसे बड़ी संख्या में ट्रैफिकिंग के शिकार बच्चे लाए गए हैं। साथ ही इस समयावधि में देश में जितने भी बच्चों को बंधुआ मजदूरी और ट्रैफिकिंग से मुक्त कराया गया, उसमें नौ फीसदी अकेले जयपुर जिले से मुक्त कराए गए। इसके बाद राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के पांच जिलों का नंबर आता है।

नाबालिगों से कराई जा रही मजदूरी

आंकड़े बताते हैं कि छुड़ाए गए 80 प्रतिशत बच्चों की उम्र 13 से 18 वर्ष के बीच थी। साथ ही 13 प्रतिशत बच्चे नौ से बारह साल के बीच थे,जबकि पांच प्रतिशत बच्चे नौ साल से भी छोटे थे। केएससीएफ और इसके सहयोगी संगठनों के प्रयासों से 2016 से 2022 के बीच 18 साल से कम उम्र के 13,549 बच्चों को बाल श्रम और ट्रैफिकिंग से मुक्त कराया गया। रिपोर्ट के अनुसार बाल मजदूरों का सबसे बड़ा हिस्सा होटलों और ढाबों में बचपन गंवा रहा है जहां 15.6 फीसदी बच्चे काम कर रहे हैं। इसके बाद आटो मोबाइल व ट्रांसपोर्ट उद्योग में 13 फीसदी और कपड़ा व खुदरा दुकानों में 11.18 फीसद बच्चे काम कर रहे हैं। इस रिपोर्ट को नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी के संगठन कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेंस फाउंडेशन (केएससीएफ) ने मिलकर जारी की हैं। यह रिपोर्ट चाइल्ड ट्रैफिकिंग इन इंडिया : इनसाइट्स फ्रॉर्म सिचुएशनल डाटा एनालिसिस एंड द नीड फॉर टेक-ड्रिवेन इंटरवेंशन स्ट्रेटजी 30 जुलाई को विश्व मानव दुर्व्यापार निषेध दिवस के अवसर पर जारी की गई।

5 साल में डबल हुए ट्रैफिकिंग के केस

प्रदेश में 2016 से 2020 के दौरान सालाना औसतन 48 बच्चों की ट्रैफिकिंग होती थी, जो 2021-22 में बढ़कर 99 तक पहुंच गई। सबसे खराब स्थिति उत्तर प्रदेश की है, जहां महामारी के बाद ट्रैफिकिंग के मामलों में 350 फीसदी का इजाफा हुआ। यहां कोरोना से पहले 2016 से 2019 के बीच सालाना औसतन 267 बच्चों की ट्रैफिकिंग होती थी। जो महामारी के बाद 2021-22 में 1214 तक पहुंच गई।

> पिछले एक दशक में भारत ने जिस तरह से बच्चों की ट्रैफिकिंग से निपटने की दिशा में कदम उठाए हैं, उससे इस समस्या पर काबू पाने की उम्मीद जगी है। केंद्र, राज्य सरकारों और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) जैसी कानून प्रवर्तन एजेंसियों की फौरी और त्वरित कार्रवाइयों से बाल दुर्व्यापार में संलिप्त तत्वों की धरपकड़ में मदद मिली है।
>
> **राहुल कुमार श्रावत,** प्रबंध निदेशक,केएससीएफ

जरूरी खबर

सांप के काटने से मासूम भाई-बहन की मौत

धौलपुर। धौलपुर के कौलारी थाना इलाके में दो बच्चों की सांप के काटने से मौत हो गई। खरगपुर निवासी गजन सिंह का बेटा यादव (3) और गजन सिंह की बहन गुड्डी की बेटी कोपिचा (4) शनिवार शाम को घर के एक कमरे में खेल रहे थे। शाम करीब आठ बजे एक काले सांप ने दोनों बच्चों को डस लिया। तबीयत बिगड़ने पर परिजन झाड़-फूंक कराने खेरागढ़ ले गए। फायदा नहीं होने पर बसई नबाब सरकारी अस्पताल ले गए। जहां मृत घोषित कर दिया।

रिटायर्ड डीटीओ त्रिलोक चंद मीणा गिरफ्तार

अजमेर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने रिटायर्ड डीटीओ त्रिलोक चंद मीणा को ब्यावर डीटीओ रहने के दौरान बाहर की गाड़ियों को बिना टैक्स के रजिस्टर्ड करके राजस्व का नुकसान पहुंचाने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। एसीबी के एडिशनल एसपी राकेश वर्मा ने बताया कि वर्ष 2018 में तत्कालीन डीटीओ त्रिलोक चंद मीणा के खिलाफ एसीबी में राजस्व हानि पहुंचाने के मामले में एक रिपोर्ट दर्ज हुई थी। जिसमें जांच करते हुए आरोपी त्रिलोक चंद मीणा को गिरफ्तार किया है। आरोपी त्रिलोकचंद को न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

लूट-चोरी गैंग का शातिर बदमाश गिरफ्तार

बारां। छबड़ा थाना पुलिस की टीम ने नाकाबंदी में लूट-चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले गिरोह के शातिर बदमाश बृजेश उर्फ नितेश उर्फ अविनाश कंजर (27) पुत्र राज बाबू निवासी शंकर कॉलोनी चाचौड़ा थाना छबड़ा को एक लोडेड देशी कट्टा मय कारतूस के गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपने अन्य साथियों की मदद से लूट व चोरी की कई वारदातें करना स्वीकार किया है। एसपी राजकुमार चौधरी ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने अपनी गैंग के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में चोरी व लूट की कई वारदातें करना कबूल किया है। अन्य घटनाओं के संबंध में थाना पुलिस बारीकी से पूछताछ कर रही है।

1200 करोड़ की लागत से शानदार प्रथम फेज तैयार, उद्घाटन की तैयारियों में जुटा न्यास प्रशासन

चंबल रिवर फ्रंट का दीदार करने के लिए देने होंगे 200 रुपए

■ नगर विकास न्यास प्रशासन ने निर्धारित की दरें

बेधड़क | कोटा

कोटा आने वाले पर्यटकों व शहर वासियों के लिए खुशखबरी है। सब कुछ सही रहा तो आने वाले कुछ दिनों में चम्बल रिवर फ्रंट पर्यटकों के लिए खोल दिया जाएगा।

नगर विकास न्यास की ओर से 1200 करोड़ की लागत से तैयार कोटा बैराज के डाऊन स्ट्रीम में चम्बल रिवर फ्रंट के प्रथम फेज का निर्माण पूरा हो गया है। अब न्यास प्रशासन इसके उदघाटन की

तैयारियों में जुटा हुआ है। न्यास की ओर रिवर फ्रंट में प्रवेश सहित अन्य पर्यटन की गतिविधियों को लेकर एन्ट्री फीस का निर्धारण कर दिया गया है। टेंडर प्रक्रिया भी न्यास की ओर लगभग फाइनल कर ली है। न्यास से मिली जानकारी के अनुसार रिवर फ्रंट में प्रवेश के लिए आमजन को 200 रुपए का टिकट लेना होगा।

वहीं विद्यार्थियों के लिए यह शुल्क 100 रुपए रहेगा। वहीं चम्बल रिवर फ्रंट में पर्यटन के लिए मौजूद हर गतिविधि का अलग-अलग शुल्क पर्यटकों को देना होगा। इसके साथ ही खाने-पीने, बोटिंग में घूमने, क्रूज में घूमने सहित अन्य शुल्क लागू रहेंगे।

तीनों गेट से पर्यटक कर सकेंगे एंट्री

पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किए गए चंबल रिवर फ्रंट पर पर्यटक तीनों गेट से प्रवेश कर सकेंगे। एंट्री के लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों सुविधा रहेगी। पर्यटक पार्किंग तक ही वाहन ले जा सकेंगे। रिवर फ्रंट पर ई-व्हीकल से जाना होगा। दोनों किनारों पर ई-व्हीकल या पैदल घूमने का विकल्प रहेगा। ई-व्हीकल के लिए करीब 50 रुपए प्रति व्यक्ति भुगतान करना होगा। इसके अलावा टायर माउंटेन व्हीकल से भी रिवर फ्रंट के नजारे देखे जा सकेंगे।

ये रहेगा बोट का किराया

इसी तरह स्पीड बोट का 500 रुपए, पन्टून बोट का 200 रुपए और फ्लाइंग बोट का 4000 रुपए प्रति व्यक्ति शुल्क रहेगा। इलेक्ट्रिक गोल्फ कार्ट का 80 रुपए और टायर माउंटेड ट्रेन का शुल्क 50 रुपए प्रति व्यक्ति रहेगा।

क्रूज से चंबल की सैर का किराया 1500 रुपए

रिवर फ्रंट पर खाने व पानी के लिए भी मीनू वाइज चार्ज देना होगा। दो क्रूज से चंबल की सैर की जा सकेगी। इसके लिए प्रति व्यक्ति 1500 रुपए चार्ज किए जाएंगे। इसमें भोजन व पानी की सुविधा मुफ्त रहेगी। इसके अलावा बोट से रिवर फ्रंट का दीदार किया जा सकेगा। यहां खास बने रेस्तरां व वाटर पार्क की सुविधा भी सशुल्क रहेगी।

धौलपुर में मोहर्रम के जुलूस के दौरान हादसा

बिजली तारों से अड़ा ताजिया तीन की मौत, एक गंभीर घायल

लापरवाही पर 2 पुलिसकर्मी, 2 जेईएन, एक लाइनमैन सस्पेंड

बेधड़क | धौलपुर

जिले में रविवार सुबह मोहर्रम का ताजिया दफनाने जा रहे 4 युवक करंट की चपेट में आ गए। करंट ने 3 युवकों की जिंदगियां लील ली। वहीं एक युवक भी गंभीर घायल हो गया। चारों युवक अपने कंधे पर इस्लामपुरा का पंचायती ताजिया लेकर शेरगढ़ किले के पास कर्बला जा रहे थे।

घटना के बाद गुस्साए लोगों ने अस्पताल के बाहर जमकर प्रदर्शन किया। स्थिति को देखते हुए आठ थानों की पुलिस को मौके पर बुलाना पड़ा। प्रशासन ने मामले को गंभीरता व काम में लापरवाही बरतने पर 2 पुलिसकर्मी, 2 जेईएन, एक लाइनमैन को सस्पेंड कर दिया। पुलिस ने बताया कि ताजिया ऊंचा होने की वजह से 11 हजार केवी के तार की चपेट में आ गया। बिजली के तारों को छूते ही ताजिया में करंट दौड़ गया। ताजिया लेकर चल रहे 4 युवक करंट की चपेट में आ गए। पुलिस ने चारों को जिला अस्पताल पहुंचाया। यहां डॉक्टरों की टीम ने तीन युवकों को मृत घोषित कर दिया। वहीं एक युवक

ढीले तारों के कारण हुआ हादसा

जानकारी के मुताबिक रविवार सुबह ताजिए सकड़े रास्ते से निकाले जा रहे थे। सड़क के ऊपर बिजली के ढीले तारों का जाल बिछा था। ऐसे में आखिर इस रास्ते से ताजिए निकालने की परमिशन क्यों दी गई? जब प्रशासन को पता था कि यहां से ताजिए निकाले जाएंगे। इसके बाद भी तारों को ऊंचा क्यों नहीं किया गया। जब ताजिए निकल रहे थे, जब पुलिस की भी माकूल व्यवस्था नहीं थी। ऐसे में यह तो साफ है कि प्रशासन की लापरवाही के कारण ये हादसा हुआ।

इन लोगों की गई जान

हादसे में इस्लामपुरा और शैतानपुरा के रहने वाले युवक अनवर (19) पुत्र मुनव्वर, मूवीन (25) पुत्र दिलशान, रिहान (18) पुत्र साबिर और वसीम (18) पुत्र दिलशाद करंट की चपेट में आ गए। हादसे के बाद मौके पर पहुंची टाउन चौकी पुलिस ने सभी को अस्पताल पहुंचाया। यहां डॉक्टरों की टीम ने चारों युवकों को करीब 1 घंटे तक सीपीआर दी। इसके बाद एक युवक वसीम को होश आ गया, लेकिन तीन की मौत हो गई।

वसीम को होश आ गया। इधर, हादसे के बाद गुस्साए मुस्लिम समाज के लोगों ने अस्पताल के सामने चौराहे पर जाम लगा दिया। प्रदर्शन की सूचना पर एसपी मनोज कुमार के साथ कलेक्टर और करीब 8 थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। प्रशासन ने लोगों से समाईश की और मृतकों के परिवारों को 5 लाख रुपए मुआवजे के आश्वासन के बाद लोगों ने जाम खोला।

पिकनिक स्पॉट पर तीन की डूबने से मौत

कोटा। कोटा से पिकनिक मनाने गए रावतभाटा पिकनिक स्पॉट पर रविवार दोपहर तीन युवकों में से एक युवक रील बनाने के चक्कर में पैर फिसलने से गहरे कुंड में समा गया। इससे उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार श्रीनाथपुरम सी सेक्टर निवासी रवि सुमन (25) अपने दोस्तों के साथ रावतभाटा स्थित चुलिया फॉल पिकनिक मनाने गया था और नीचे जाकर सोशल मीडिया पर रील बना रहा था। इसी दौरान उसका पैर फिसल गया। उसने बचने का प्रयास भी किया, लेकिन देखते ही देखते कुंड में समा गया। सूचना पर प्रशासन, एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और छात्रों की तलाश शुरू की। रविवार को एसडीआरएफ की टीम ने सीकर जिले के दांतारामगढ़ निवासी लक्ष्य छगरवाल (18) व झुंझुनूं निवासी सौरभ सियाग (17) कोटा के शव परिजनों के सुपुर्द किए।

डीएसटी की कार्रवाई

उड़ीसा से तस्करी कर लाया 30 किलो गांजा बरामद, दो गिरफ्तार

बेधड़क | भिवाडी

डीएसटी व साइबर सेल की टीम ने कंटेनर में उड़ीसा से तस्करी कर राजस्थान लाए जा रहे 35 किलोग्राम गांजें को जब्त कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी हफीज खां मेव (32) पुत्र खुर्शीद अहमद निवासी थाना नगीना जिला नूह मेवात हरियाणा और देवी राम कुम्हार (21) पुत्र नारायण सिंह निवासी थाना सीकरी जिला भरतपुर है।

एसपी विकास शर्मा ने बताया कि अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध एडिशनल एसपी दिलीप कुमार व सीओ सुजीत शंकर आईपीएस के सुपरविजन में अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान की सफलता के लिए डीएसटी प्रभारी दारा सिंह को टास्क किया गया। टीम को शनिवार को थाना खुशखेड़ा इलाके में होंडा कंपनी पर बाइक लेने आए पंजाब नंबर के बंद बॉडी कंटेनर के केबिन में भारी मात्रा में गांजा रखा होने की सूचना मिली।

इस पर कार्रवाई करते हुए कंटेनर रेवाड़ी हरियाणा की तरफ जाना सामने आने पर डीएसटी ने पीछा कर धीरनवास चौकी के पास टोल नाका के आगे कंटेनर को रुकवाकर केबिन से दो कट्टों में भरा 35 किलो गांजा बरामद किया। थाना कोटकासिम में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर कंटेनर सवार ड्राइवर खलासी हफीज खान और देवी राम को गिरफ्तार किया गया। एसपी शर्मा ने बताया कि आरोपी ड्राइवर द्वारा पैसों के लालच में ट्रांसपोर्ट कंपनी के ट्रक में उड़ीसा से 3000 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से गांजा खरीद कर लाया था।

उदयपुर में मां ने की 14 साल के नाबालिग की हत्या

पति गया मॉर्निंग वॉक पर, पीछे से पत्नी ने बेटे का घोंट दिया गला

बेधड़क | उदयपुर

उदयपुर के अंबामाता थाना क्षेत्र में रविवार को एक मां ने अपने ही जिगर के टुकड़े को मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने आरोपी महिला को हिरासत में ले लिया है।

पुलिस ने बताया कि अंबामाता थाना क्षेत्र के सहेली नगर में दीपक पारीख की पत्नी मनीषा पारीक ने अपने 14 साल के नाबालिग बेटे की रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी। हत्या के वक्त दीपक पारीख पत्नी और बेटे को छोड़कर मॉर्निंग वॉक पर गया था। तभी मानसिक

रूप से परेशान चल रही उसकी पत्नी ने बेटे को कपड़े सुखाने की रस्सी से बांधकर मौत के घाट उतार दिया। जब वापस आया तो घर के गेट अंदर से बंद थे। पड़ौसियों की मदद से परिजन बालकनी का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे तो आरोपी महिला आराम से बैठी हुई थी। मौके पर पहुंचे अंबामाता थानाधिकारी हनुवंत सिंह राजपुरोहित समेत पुलिस ने शव को एमबी हॉस्पिटल की मॉर्चरी में रखवा दिया और आरोपी महिला को हिरासत में ले लिया है। थानाधिकारी ने बताया कि महिला ने अपने बच्चे को मारने के बाद पुलिस कंट्रोल रूम में फोन किया और पुलिस को भेजने की बात कही। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की तफ्तीश कर रही है।

काउंसलिंग का सेकंड राउंड 7 से 15 अगस्त तक

नीट यूजी का फाइनल सीट अलॉटमेंट जारी

बेधड़क | कोटा

मेडिकल काउंसलिंग कमेटी (एमसीसी) ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट 2023 में काउंसलिंग के लिए प्रथम राउंड ऑल इंडिया कोटे का फाइनल सीट अलॉटमेंट रविवार दोपहर को जारी कर दिया।

यह एक कॉमन पोर्टल (एमसीसी) पर एम्स, जिपमेर एवं सेन्ट्रल यूनिवर्सिटीज तथा ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज की काउंसलिंग संपन्न हुई।

काउंसलिंग का सेकण्ड राउण्ड 7 अगस्त से 15 अगस्त 2023 के मध्य शुरु होगा। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट पारिजात मिश्रा ने बताया कि ऑल इंडिया 15 प्रतिशत कोटे में एमबीबीएस कोर्स के लिए जनरल कैटेगिरी की क्लोजिंग रैंक 19396, ओबीसी कैटगरी में 19977, एससी में 100013, एसटी में 141071 और ईडब्ल्यूएस कैटगरी में 21591 क्लोजिंग रैंक रही। इसी प्रकार कॉमन काउंसलिंग में शामिल एम्स दिल्ली में जनरल कैटगरी की क्लोजिंग रैंक 57, ईडब्ल्यूएस 223, ओबीसी 255, एससी 989 एवं एसटी कैटेगिरी में 1624 क्लोजिंग रैंक रही।

जबकि अन्य एम्स में जनरल कैटेगिरी की क्लोजिंग रैंक 4377, ईडब्ल्यूएस 6549, ओबीसी 5254, एससी 40087 एवं एसटी कैटेगिरी में 67906 क्लोजिंग रैंक रही।

जवाहरलाल नेहरु मेडिकल कॉलेज अलीगढ में जनरल कैटगरी की क्लोजिंग रैंक 3304 तथा आंतरिक कोटे के अभ्यर्थी की 12951 क्लोजिंग रैंक रही।

स्वयं उपस्थिति होकर रिपोर्ट करना होगा

कॉलेज अलॉटेड स्टूडेंट्स को व्यक्तिगत अलॉटमेंट लेकर 31 जुलाई से 4 अगस्त 2023 के मध्य अलॉटेड कॉलेज को ऑरिजनल डॉक्यूमेंट्स एवं फीस के साथ स्वयं उपस्थित होकर रिपोर्ट करना होगा। यदि स्टूडेंट्स अपने अलॉटेड कॉलेज से संतुष्ट नहीं है तो वे फ्री एग्जिट भी कर सकते हैं। यदि संतुष्ट है तो अलॉटेड कॉलेज पर जाकर सेकण्ड राउण्ड काउंसलिंग में कॉलेज अपग्रेडेशन का विकल्प भी चुन सकते हैं। फ्री एग्जिट वाला अभ्यर्थी द्वितीय राउण्ड में पुनः भाग ले सकता है तथा अपग्रेड वाला अभ्यर्थी नई च्वाइस भरकर सेकंड राउण्ड काउंसलिंग में भाग ले सकता है।

हे सरकार! देव वाणी से कैसी बेरुखी...

आखिर कब किए जाएंगे संस्कृत शिक्षा विद्यालय क्रमोन्नत... इंतजार जारी

बेधड़क | जयपुर

एक ओर जहां प्रदेश सरकार सामान्य शिक्षा विभाग में नवीन नवाचार कर आमजन को सरल एवं सहज शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध होने की बात कहती है। वहीं दूसरी तरफ संस्कृत शिक्षा विभाग में भेदभाव के चलते उपेक्षा हो रही है।

शिक्षा विभाग में राज्य सरकार ने वर्ष 2019 से 2021 तक विभिन्न नवीन विद्यालय खोले भी गए और क्रमोन्नत भी किये गए हैं। यहाँ तक कि गत वर्ष के बजट 22-23 में बजट घोषणा में सामान्य शिक्षा विभाग के एक साथ सभी 3820 माध्यमिक विद्यालयों को उच्च माध्यमिक में क्रमोन्नत किया गया। जबकि बजट घोषणा के अनुरूप

घोषित संस्कृत शिक्षा विभाग को अभी तक भी 10 प्रतिशत हिस्सा नहीं दिया गया है।

संस्कृत शिक्षा विभाग में अभी भी माध्यमिक स्तर के प्रवेशिका विद्यालय संचालित है। जिनमें प्रवेशिका प्रधानाध्यापक के पद स्वीकृत है और इन पदों पर प्रवेशिका प्रधानाध्यापक के रूप में कार्मिक भी पदस्थापित है। जबकि सामान्य शिक्षा में यह पद समाप्त कर उन्हें वाइस प्रिंसिपल बना दिया गया। जबकि संस्कृत शिक्षा में अभी ऐसी व्यवस्था नहीं हुई है।

सामान्य शिक्षा स्कूलों को मंजूरी

बजट घोषणा 2023-24 में शिक्षा विभाग में 300 विभिन्न विद्यालय क्रमोन्नत करने, 100 नवीन प्रा विद्यालय खोलने, 500 प्रा वि को उप्रा विद्यालय में क्रमोन्नत व 500 उप्रा विद्यालय को सीधे उमा विद्यालय में क्रमोन्नत करने की घोषणा की। माध्यमिक शिक्षा विभाग ने इस बजट पर इन विद्यालयों के क्रमोन्नत और नवीन स्कूलें खोलने के आदेश जारी कर दिए।

ठंडें बस्तों में संस्कृत स्कूलों की फाइल

बजट घोषणा 23-24 के अनुसार संस्कृत शिक्षा विभाग में 10 नवीन संस्कृत प्राथमिक विद्यालय, 30 विभिन्न विद्यालय क्रमोन्नत, 50 प्राथमिक से उच्च प्राथमिक संस्कृत विद्यालय, 50 उच्च प्राथमिक से वरिष्ठ उपाध्याय विद्यालय कुल 140 विद्यालय अभी भी क्रमोन्नत होने की राह देख रहे है। जानकारी तो यह भी मिली है कि सरकार तो विद्यालय क्रमोन्नत की अभिशंषा कर चुकी पर क्रमोन्नति की फाइल का पोस्टमार्टम सचिवालय के कमरों में हो रहा है और लगभग 80 संस्कृत विद्यालय वरिष्ठ उपाध्याय स्तर पर क्रमोन्नत होने की राह देख रहे है।

संस्कृत स्कूलों में नहीं वाइस प्रिंसिपल का पद

आज सामान्य शिक्षा विभाग की स्कूलों में माध्यमिक सेटअप के तहत वहां प्रधानाध्यापक को वाइस प्रिंसिपल बना दिया। जबकि संस्कृत शिक्षा में ऐसा नहीं हो रहा है। बजट घोषणा के अनुसार दोनों विभागों में एकरूपता लाने के लिए संस्कृत शिक्षा विभाग के प्रदेश के सभी 254 प्रवेशिका विद्यालयों को उच्च माध्यमिक स्तर पर क्रमोन्नत कर वरिष्ठ उपाध्याय बना दिया जाए तो संस्कृत शिक्षा के अन्तर्गत उच्च अध्ययन के अवसर प्रशस्त होंगे। क्योंकि वर्तमान में संस्कृत शिक्षा विभाग व शिक्षा विभाग के प्रशासनिक विभाग के अधिकारी एक हैं और दोनों विभाग के मंत्री भी डॉ बीड़ी कल्ला ही है।

यहां खुलेंगे महाविद्यालय

मुख्यमंत्री द्वारा संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु बजट 2023-24 में 20 जिला मुख्यालय बूंदी, बारां, झालावाड़, करौली, भीलवाड़ा, नागौर, टांक, पाली, सिरोही, जालौर, जैसलमेर, बाड़मेर, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, श्रीगंगानगर एवं हनुमानगढ जिलों में तथा साबूवाना (टिब्बी) हनुमानगढ, मूण्डवा-नागौर और हमीरगढ़ भीलवाड़ा में शास्त्री स्तर के महाविद्यालय खोले जाने की घोषणा की है।

विद्यालय कम हुए क्रमोन्नत

बजट घोषणा में शिक्षा विभाग में उच्च प्राथमिक स्तर से सीधे ही उच्च माध्यमिक स्तर पर 1197 विद्यालयों को क्रमोन्नत किया गया। मगर संस्कृत शिक्षा विभाग में ऐसे मात्र 8-10 विद्यालय हैं जिन्हे उच्च प्राथमिक स्तर से सीधे वरिष्ठ उपाध्याय स्तर पर क्रमोन्नत किया गया है।

जेहन में उतर आती है भूकंप की कई विनाशकारी यादें

धूजती है धरा...

- भूकंप की आहट, कैसे मिले राहत
- देश-विदेश में कहर बरपा चुका है
- धोरों की धरती भी बनी है गवाह

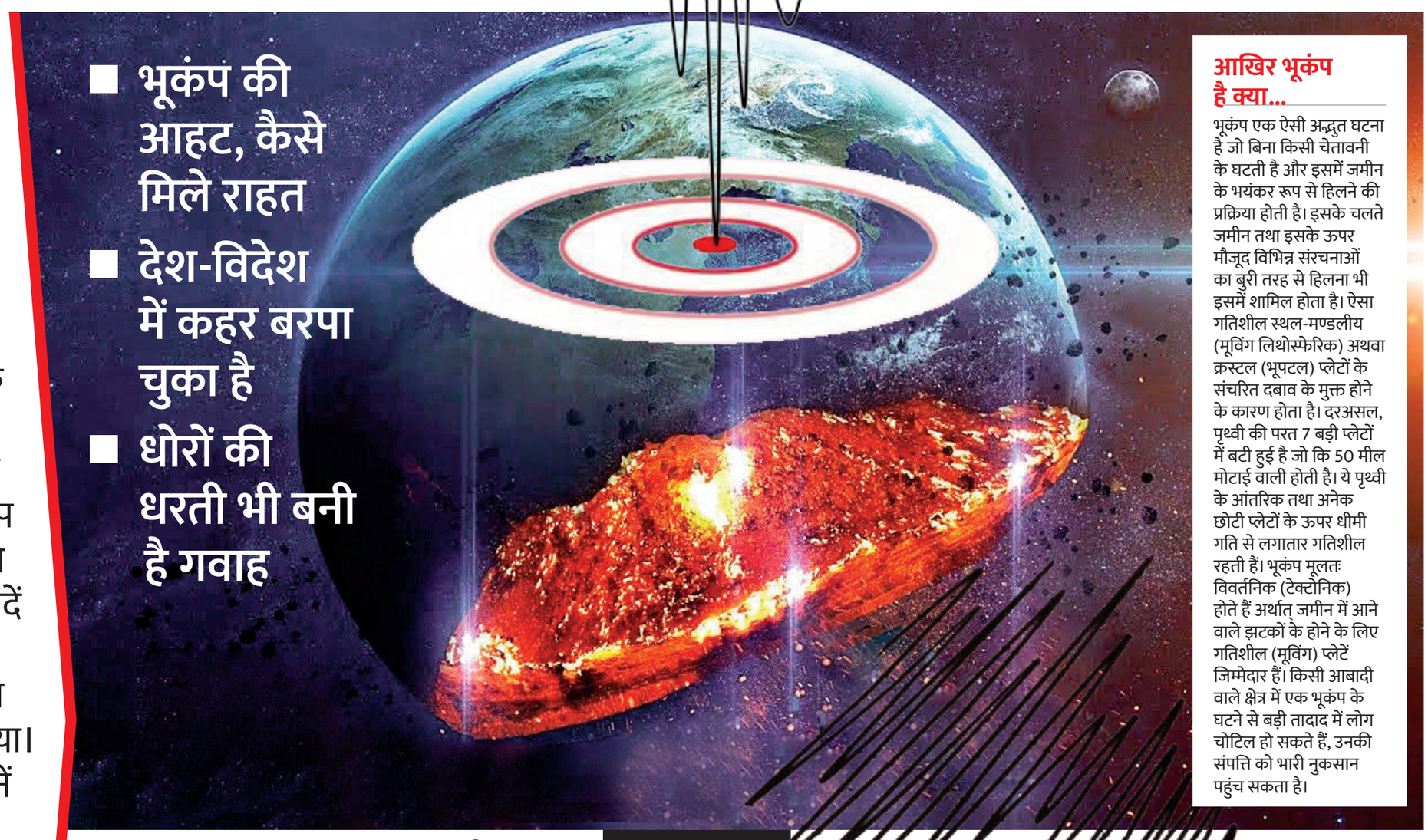

राजस्थान की राजधानी जयपुर की धरती हाल ही में अलसुबह धूज गई। जब सभी नींद के आगोश में थे, तभी कुदरत ने लोगों को एकाएक हिलाकर रख दिया। तेज आवाज के साथ आए भूकंप ने एक बार फिर से न केवल पुरानी यादें ताजा की, बल्कि आने वाले खतरे से भी आगाह कर दिया। एक्सपर्ट्स की मानें तो कुदरत से हो रही छेड़छाड़ और प्राकृतिक परिवर्तन भूकंप के मूल में छिपे हैं। जयपुर में सुबह 4.09 मिनट पर तीव्रता 4.4 मापी गई। इससे पहले सीकर में साल 2003 और साल 2015 में 4.3 तीव्रता के भूकंप आए थे।

आखिर भूकंप है क्या...

भूकंप एक ऐसी अद्भुत घटना है जो बिना किसी चेतावनी के घटती है और इसमें जमीन के भयंकर रूप से हिलने की प्रक्रिया होती है। इसके चलते जमीन तथा इसके ऊपर मौजूद विभिन्न संरचनाओं का बुरी तरह से हिलना भी इसमें शामिल होता है। ऐसा गतिशील स्थल-मण्डलीय (मूविंग लिथोस्फेरिक) अथवा क्रस्टल (भूपटल) प्लेटों के संचरित दबाव के मुक्त होने के कारण होता है। दरअसल, पृथ्वी की परत 7 बड़ी प्लेटों में बटी हुई है जो कि 50 मील मोटाई वाली होती है। ये पृथ्वी के आंतरिक तथा अनेक छोटी प्लेटों के ऊपर धीमी गति से लगातार गतिशील रहती हैं। भूकंप मूलतः विवर्तनिक (टेक्टोनिक) होते हैं अर्थात् जमीन में आने वाले झटकों के होने के लिए गतिशील (मूविंग) प्लेटें जिम्मेदार हैं। किसी आबादी वाले क्षेत्र में एक भूकंप के घटने से बड़ी तादाद में लोग चोटिल हो सकते हैं, उनकी संपत्ति को भारी नुकसान पहुंच सकता है।

जापान- इंडोनेशिया में ज्यादा आते हैं

दुनियाभर के अलग-अलग इलाकों में हर साल छोटे-बड़े भूकंप आते ही रहते हैं। जानकारों का कहना है कि दुनियाभर में हर साल लगभग 20 हजार से ज्यादा बार भूकंप आते हैं। इनमें कुछ तो इतने मामूली होते हैं कि वो सिस्मोग्राफ पर दर्ज भी नहीं हो पाते हैं. वहीं, कुछ इतने शक्तिशाली होते हैं कि भयंकर तबाही मचा देते हैं.। भूकंप आने का कारण धरती के भीतर की उथल-पुथल बताई जाती है। एक तथ्य ये भी है कि ये भूकंप के झटके लाखों की संख्या में होते हैं, लेकिन ज्यादातर झटके हल्के होने के कारण उनका पता नहीं लग पाता है। जहां तक बात उन देशों की है जहां सबसे ज्यादा भूकंप आते हैं तो उनमें जापान, चीन, इंडोनेशिया, ईरान, तुर्की, जापान, पेरू, अमेरिका, इटली, अफगानिस्तान, भारत, ग्रीस और मैक्सिको का नाम शामिल है। भूकंप एक प्राकृतिक आपदा है। पर्यावरण का चक्र बिगड़ने पर भी भूकंप के मामले पहले से अधिक हो गए है। माना जाता है कि पूरी दुनिया में सबसे अधिक भूकंप जापान में आते हैं। लेकिन वहां पर नुकसान को कम करने के लिए भी प्रयास सबसे अधिक हुए है।

क्या होता है रिक्टर मैग्नीट्यूड टेस्ट

भूकंप की जांच जिस स्केल से होती है उसे रिक्टर मैग्नीट्यूड टेस्ट कहा जाता है । भूकंप की तीव्रता 1 से 9 के आधार तक मापा जाता है । भूकंप को इसके सेंटर से मापा जाता है। जिसे एपीसेंटर कहते हैं। भूकंप के दौरान धरती के अंदर से निकलने वाली ऊर्जा कितनी तीव्र होती है, उसे एपीसेंटर से मापा जाता है और भूकंप के खतरे का अंदाजा लगाया जाता है।

रिक्टर स्केल से जानिए भूकंप का खतरा...

- 0 से 1.9 के बीच यह सिर्फ सिस्मोग्राफ के द्वारा ही पता चलता है।
- 2 से 2.9 के बीच- हल्का कंपन होने लगता है।
- 3 से 3.9 के बीच- जैसे आप चलती ट्रेन के पास खड़े होते हैं। 4 से 4.9 के बीच - दीवार पर टंगी घड़ी, फ्रेम हिलने लगती है।
- 5 से 5.9 के बीच- फर्नीचर हिलने लगता है।
- 6 से 6.9 के बीच - इमारतों में दरार पैदा होना, उपरी की मंजिलों में नुकसान होने की संभावना ।
- 7 से 7.9 के बीच जमीन के अंदर पाइप फट जाते हैं, इमारतें गिरने लग जाती है। 8 से 8.9 के बीच - सुनामी का खतरा बढ़ जाता है, इमारतों सहित बड़े पुल गिरने की संभावना बढ़ जाती हैं।
- 9 और इससे अधिक - यह सबसे बड़ा तबाही का बिंदु होता है। समुद्र आसपास हो तो सुनामी की संभावना बढ़ जाती है। इंसान को धरती लहराते हुए नजर आने लगेगी।

भारत में भूकंप का जोखिम

पिछले 15 सालों के दौरान भारत ने 10 बड़े भूकंपों को झेला है, जिनके कारण करीब 20,000 से अधिक जानें गई हैं। देश के वर्तमान भूकंपीय क्षेत्र मानचित्र के अनुसार भारत की भूमि का 59% हिस्सा सामान्य से गंभीर भूकंपीय खतरों की चेतावनी के अधीन है। वास्तव में संपूर्ण हिमालय क्षेत्र को 8.0 की तीव्रता वाले बड़े भूकंपों के प्रति संभावित माना जाता है। 50 साल की अपेक्षाकृत अल्पावधि में 4 ऐसे बड़े भूकंप आ चुके हैं, इनमें साल 1897 में शिलांग (तीव्रता 8.7), साल 1905 में कांगड़ा (तीव्रता 8.0), साल 1934 में बिहार-नेपाल (तीव्रता 8.3) और साल 1950 में असम-तिब्बत (तीव्रता 8.6) के भूकंप शामिल हैं।

जब बनाएं मकान, पहले कर लें जांच

भूकंप की भविष्यवाणी नहीं की जा सकती है। लेकिन नए घरों को भूकंप को ध्यान में रखते हुए निर्माण करें। मकान बनाने से पहले जमीन की जांच कर लें। वहीं अगर अचानक से भूकंप आ जाएं तो सब पहले खुले मैदान में जाए। घर में ही फंस गए हों तो टेबल या बेड के अंदर छिप जाएं। छत पर भी जा सकते हैं या घर के किसी कोने में खड़े हो जाएं। लेकिन खतरों से खाली विकल्प है घर से बाहर निकल जाएं।

गुवाहाटी, श्रीनगर में संभावनाएं

वहीं देश में सबसे अधिक भूकंप 2050 तक गुवाहाटी, श्रीनगर, दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, पुणे, कोच्चि, कोलकाता, पटना, तिरुवनंतपुरम में संभावना जताई जा रही है। यह अनुमान वर्ल्ड बैंक और यूनाइटेड नेशन की रिपोर्ट में जारी किया गया था। दरअसल, धरती के अंदर 7 प्लेट्स होती हैं जो घूमती रहती है। इसे अंग्रेजी में प्लेट टेक्टॉनिक और हिंदी में प्लेट विवर्तनिकी कहते हैं। जहां पर ये प्लेट्स टकराती हैं, वहां जोन फॉल्ट लाइन फॉल्ट होता है। जब बार- बार प्लेट्स टकराती है तो कोने मुड़ने लगते हैं। और ज्यादा दबाव बनने पर प्लेट्स टूटने लगती हैं। ऐसे में धरती से ऊर्जा बाहर आने की कोशिश करती है, जिससे रफ्तार बिगड़ती है । और भूकंप की स्थिति पैदा होती है।

दुनिया में बरपा था कहर

इतिहास का सबसे बड़ा भूकंप मई 1960 में चिली में दर्ज किया गया था, इसकी तीव्रता 9.4 और 9.6 थी, जिससे लगभग 10 मिनट तक जमीन हिलती रही थी। इस भूकंप में करीब 6000 लोगों की जान गई थी। इसके बाद 1964 में गुड फ्राइडे के दिन आए ग्रेट अलास्कन की तीव्रता 9.2 थी और यह 5 मिनट से थोड़ा कम समय तक चला। यह उत्तरी अमेरिका में दर्ज अब तक का सबसे शक्तिशाली भूकंप माना जाता है। साल 2001 में आया भुज भूकंप पिछली दो शताब्दियों में भारत में आया तीसरा सबसे बड़ा और दूसरा सबसे विनाशकारी भूकंप था, इस भूकंप ने 20,000 से अधिक लोगों की जान ली। साल 2004 में दक्षिण एशिया में आया 9.1 तीव्रता का भूकंप अब तक की सबसे विनाशकारी प्राकृतिक आपदाओं में से एक रहा है, इस भूकंप से लगभग 100 फीट की सुनामी आई। इसमें थाईलैंड, श्रीलंका, भारत और इंडोनेशिया सहित 14 देशों में लगभग 2,27,000 मौतें दर्ज की गई थी। साल 2015 में नेपाल में आए भूकंप से भारत, चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के भी कुछ क्षेत्र प्रभावित हुए थे। नेपाल में 1934 के बाद आया यह सबसे भीषण भूकंप था।

भारत में तबाही के मंजर

1934- बिहार

15 जनवरी 1934 को बिहार में 8.1 तीव्रता का जबरदस्त भूकंप आया था। इसके बाद मुंगेर व जमालपुर शहर पूरी तरह से मलबे के ढेर में तब्दील हो गया था।

1950- असम

असम भूकंप जिसे मेडोग भूकंप के रूप में भी जाना जाता है। यह भूकंप 15 अगस्त, 1950 को आया था। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 8.6 थी।

1991- उत्तरकाशी

20 अक्टूबर, 1991 को उत्तराखंड राज्य में स्थित उत्तरकाशी, चमोली और टिहरी जिलों में रिक्टर पैमाने पर 6.1 तीव्रता का भूकंप आया था।

1993- महाराष्ट्र

30 सितंबर, 1993 को महाराष्ट्र में आए भूकंप में 20,000 से अधिक लोग मारे गए थे। किल्लारी गांव में भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.4 मापी गई।

2001- गुजरात

26 जनवरी के दिन गुजरात के कच्छ जिले के भुज में भीषण भूकंप आया। भूकंप सुबह 8 बजकर 40 मिनट पर आया और दो मिनट तक चला।

कन्टेंट/ डिजाइन : अजय कुमार शर्मा/विमल सिंह तंवर

कथाकार प्रेमचंद की 143वीं जयंती

प्रेमचंद का साहित्य और किसान

जाहिद खान
स्वतंत्र टिप्पणीकार

हिन्दी-उर्दू साहित्य में कथाकार प्रेमचंद का शुमार, एक ऐसे रचनाकार के तौर पर होता है, जिन्होंने साहित्य की पूरी धारा ही बदल कर रख दी। प्रेमचंद के सम्पूर्ण साहित्य पर यदि नजर डालें तो, उनका साहित्य उत्तर भारत के गांव और संघर्षशील किसानों का दर्पण है। उनके कथा संसार में गांव इतनी जीवंतता और प्रमाणिकता के साथ उभर कर सामने आया है कि उन्हें ग्राम्य जीवन का चितेरा भी कहा जाता है। प्रेमचंद अकेले किसान की ही कहानी नहीं कहते हैं, बल्कि किसान की नजर से पूरी दुनिया की कहानी भी कहते हैं। बनारस जिले के छोटे से गांव लमही में जन्मे मुंशी प्रेमचंद का सारा जीवन किसानों के बीच बीता। वे किसानों के साथ रहे, उनके हर सुख-दुख में हिस्सेदारी की। जाहिर है कि जिस परिवेश मे उनका जीवनयापन हुआ, उसमें गांव-किसान खुद-ब-खुद उनकी चेतना का अमिट हिस्सा बनते चलते गए। 'वरदान', 'सेवासदन', 'रंगभूमि', 'प्रेमाश्रम' और 'कर्मभूमि' वगैरह उनके कई उपन्यासों की कहानी किसानों, खेतिहर मजदूरों की जिंदगानी और उनके संघर्षों के ही इर्द-गिर्द घूमती है। इन उपन्यासों में वे औपनिवेशिक शासन व्यवस्था, सामंतशाही, महाजनी सभ्यता और तमाम तरह के परजीवी समुदाय पर जमकर निशाना साधते हैं। भारतीय गांवों का जो सजीव, मार्मिक चित्रण प्रेमचंद ने अपने उपन्यास 'गोदान' मे किया है, हिन्दी साहित्य में वैसी कोई दूसरी मिसाल हमें ढूंढ़े नहीं मिलती।

प्रेमचंद का युग हमारी गुलामी का दौर था। जब हम अंग्रेजों के साथ-साथ स्थानीय जागीरदारों, सामंतों की दोहरी गुलामी भी झेल रहे थे। प्रेमचंद दोनों को ही अवाम का एक समान दुश्मन समझते थे। किताब 'प्रेमचंद घर में' के एक अंश में वे अपनी पत्नी शिवरानी देवी से कहते हैं,"शोषक और शोषितों मे लड़ाई हुई, तो वे शोषित, गरीब किसानों का पक्ष लेंगे।" प्रेमचंद की कहानी, उपन्यासों में यह पक्षधरता और प्रतिबद्धता हमें साफ दिखलाई देती है।

> *प्रेमचंद अकेले किसान की ही कहानी नहीं कहते हैं, बल्कि किसान की नजर से पूरी दुनिया की कहानी भी कहते हैं। बनारस जिले के छोटे से गांव लमही में जन्मे मुंशी प्रेमचंद का सारा जीवन किसानों के बीच बीता। वे किसानों के साथ रहे, उनके हर सुख-दुख में हिस्सेदारी की। जाहिर है जिस परिवेश मे उनका जीवनयापन हुआ, उसमें गांव-किसान खुद-ब-खुद उनकी चेतना का अमिट हिस्सा बनते चलते गए। 'वरदान', 'सेवासदन', 'रंगभूमि', 'प्रेमाश्रम' और 'कर्मभूमि' वगैरह उनके कई उपन्यासों की कहानी किसानों, खेतिहर मजदूरों की जिंदगानी और उनके संघर्षों के ही इर्द-गिर्द घूमती है। इन उपन्यासों में वे औपनिवेशिक शासन व्यवस्था, सामंतशाही, महाजनी सभ्यता और तमाम तरह के परजीवी समुदाय पर जमकर निशाना साधते हैं।*

प्रेमचंद ने अकेले उपन्यास में नहीं, बल्कि कहानियों और अपने लेखों में भी किसानों के सवाल उठाए। वे किसानों की सामाजिक-आर्थिक मुक्ति के पक्षधर थे। 'आहुति', 'कफ़न', 'पूस की रात', 'सवा सेर गेहूं' और 'सद्गति' आदि उनकी कहानियों में किसान और खेतिहर मजदूर ही उनके नायक हैं। सामंतशाही और ब्राह्मणवादी वर्ण व्यवस्था किस तरह से किसानों का शोषण करती है, यह इन कहानियों का केन्द्रीय विचार है। साल 1917 में रूस की अक्टूबर क्रांति से एक विचार, एक चेतना मिली जिसका असर सारी दुनिया पर पड़ा। प्रेमचंद भी रूसी क्रांति से बेहद प्रभावित थे। अपने दोस्त के नाम एक खत में उन्होंने इसका साफ जिक्र किया है, ''मैं बोल्शेविकों के मतामत से कमोबेश प्रभावित हूं।'' वर्गविहीन समाज का सपना प्रेमचंद का सपना था। ऐसा समाज जहां वर्ण, वर्ग, लिंग, रंग, नस्ल, भाषा, धर्म और जाति के नाम पर कोई भेद न हो। शुरुआत में महात्मा गांधी के अहिंसक आन्दोलन में अपार श्रद्धा रखने वाले प्रेमचंद का आदर्शवाद उनके आखिरी काल में लिखे हुए साहित्य में टूटता दिखता है। साल 1933 में एक समाचार पत्र के अपने सम्पादकीय में वे लिखते हैं, ''सामाजिक अन्याय पर सत्याग्रह से फतह की धारणा निःसन्देह झूठी साबित हुई है।'' यही नहीं आगे चलकर अपने उपन्यास के एक पात्र से जब वे यह वाक्य बुलवाते हैं, ''शिकारी से लड़ने के लिए हथियार का सहारा लेना जरूरी है, शिकारी के चंगुल में आना सज्जनता नहीं कायरता है।'' तब हम यहां उपन्यास 'सेवासदन', 'रंगभूमि', 'कायाकल्प', 'कर्मभूमि' के लेखक से इतर एक दूसरे ही प्रेमचंद को साकार होता देखते हैं। इसके बाद ही प्रेमचंद 'गोदान' जैसा एपिक उपन्यास, 'कफ़न' जैसी कालजयी कहानी और दिल को झिंझोड़ देने वाला अपना आलेख 'महाजनी सभ्यता' लिखते हैं। उनकी इन रचनाओं से पाठक पहली बार भारतीय समाज की वास्तविक और कठोर सच्चाईयों से सीधे-सीधे रू-ब-रू होता है।

प्रेमचंद का युग हमारी गुलामी का दौर था। जब हम अंग्रेजों के साथ-साथ स्थानीय जागीरदारों, सामंतों की दोहरी गुलामी भी झेल रहे थे। प्रेमचंद दोनों को ही अवाम का एक समान दुश्मन समझते थे। किताब 'प्रेमचंद घर में' के एक अंश में वे अपनी पत्नी शिवरानी देवी से कहते हैं,''शोषक और शोषितों मे लड़ाई हुई, तो वे शोषित, गरीब किसानों का पक्ष लेंगे।'' प्रेमचंद की कहानी, उपन्यासों में यह पक्षधरता और प्रतिबद्धता हमें साफ दिखलाई देती है। उपन्यास 'प्रेमाश्रम' में वे जहां सामूहिक खेती और वर्गविहीन समाज की वकालत करते हैं, तो वहीं दूसरी ओर विदेशी शासन और शोषणकारी जमींदारी गठबंधन का असली चेहरा बेनकाब करते हैं। उनकी निगाह में आजादी का मतलब दूसरा ही था, जो शोषणकारी दमनचक्र से सर्वहारा वर्ग की मुक्ति के बाद ही मुमकिन था। उपन्यास 'प्रेमाश्रम' के माध्यम से प्रेमचंद एक ऐसे कानून की जरूरत बताते हैं, ''जो जमींदारों से असामियों को बेदखल करने का अधिकार ले ले।'' साल 1933 में वे समाचार पत्र के अपने एक दीगर संपादकीय में लिखते हैं, ''अधिकांश भारतीय स्वराज इसलिए नहीं चाहते कि अपने देश के शासन में उनकी ही आवाज, बहसें सुनी जाएं बल्कि स्वराज का अर्थ उनके प्राकृतिक उपज पर नियंत्रण, अपनी वस्तुओं का स्वच्छंद उपयोग और अपनी पैदावर पर अपनी इच्छा अनुसार मूल्य लेने का स्वत्व। स्वराज का अर्थ केवल आर्थिक स्वराज है।'' यानी उनके मतानुसार किसानों को स्वराज की सबसे ज्यादा जरूरत है। यही नहीं उनका यह भी मानना था, आर्थिक आजादी के बाद ही वास्तविक आजादी मुमकिन है। उपन्यास 'प्रेमाश्रम' में पात्रों के बीच आपसी संवाद है,''रूस देश में कास्तकारों का ही राज है, वह जो चाहते हैं, करते हैं।'' और कादिर कौतुहल से कहता है, ''चलो ठाकुर उसी देश में चलें।'' कहा जा सकता है कि काल और अनुभव की व्यापकता से प्रेमचंद के विचारों में बदलाव आता गया, जो बाद में उनकी कहानी, उपन्यास, लेखों में साफ परिलक्षित होता है।

पिछले साल ही हमने आजादी का अमृत महोत्सव मनाया है, लेकिन इन सात दशकों के दौरान देश के हालात जरा से भी नहीं बदले हैं। देश में बीसवीं सदी के आखिरी दशक में नव-उदारवादी नीतियों के अमल में आने के बाद, यूं तो पूरा आर्थिक परिदृश्य ही बदल गया। हर क्षेत्र में इन नीतियों का व्यापक असर पड़ा। लेकिन उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण की नीतियों ने सबसे ज्यादा हमारी खेती-किसानी को प्रभावित किया। कृषि क्षेत्र में सरकारी निवेश कम होना शुरू हुआ। इसके अलावा कुछ ऐसी नीतियां भी अपनायी गईं, जिनसे किसानों का जीवन आहिस्ता-आहिस्ता तबाह होने लगा। खेती की जमीन किसानों से छीनकर कॉर्पोरेट को दी जाने लगीं। बीज, उर्वरक, कीटनाशक आदि के उत्पादन और विक्रय की प्रक्रिया में बहुराष्ट्रीय कंपनियों को शामिल कर लिया गया। जिसकी वजह से इन सबके दाम असाधारण तौर पर बढ़े। दूसरी ओर, सरकार ने किसानों को सब्सिडी देना कम कर दिया या पूरी तरह से खत्म ही कर दी। जिसका नतीजा यह हुआ कि खेती-किसानी, किसानों के लिए वैसे ही घाटे का सौदा बनी हुई थी, अब उसके लिए ये और भी ज्यादा मुश्किल हो गई। कर्ज में डूबा किसान, फांसी को गले लगाने लगा। आलम यह है कि इन तीन दशकों में चार लाख से ज्यादा किसानों ने पूरे देश में आत्महत्या की है। जिसमें अकेले महाराष्ट्र में पचास हजार से अधिक किसानों ने अपनी जान दी है। किसानों को कर्जे से उबारने के लिए केन्द्र और राज्य सरकारें कई आर्थिक पैकेज और कर्ज माफी जैसी लोकलुभावन योजनाएं लेकर आईं, मगर किसानों के हालात नहीं सुधरे। बल्कि और भी ज्यादा बदतर होते चले गए।

किसानों की सबसे बड़ी समस्या, अपनी फसल का सही दाम नहीं मिलना है। किसानों की बरसों से मांग रही है कि उन्हें उनकी उपज का लागत खर्च से दोगुना मूल्य मिले। साल 2006 में एमएस स्वामीनाथन आयोग की जो रिपोर्ट आई, उसमें भी उनकी एक अहम सिफारिश थी कि खेती में होने वाले पूरे लागत खर्च का डेढ़ गुना दाम किसान को मिले। फसल चाहे कोई भी हो। लेकिन किसानों की इस मांग का किसी भी सरकार ने निराकरण नहीं किया है। अलबत्ता उनसे हर चुनाव में यह वादा जरूर किया जाता है। तीन कृषि कानूनों के खिलाफ जो ऐतिहासिक किसान आंदोलन चला, उसमें किसानों की एक अहम मांग, न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी को कानूनी गारंटी प्रदान करना है। तेरह महीने चले किसानों के इस आंदोलन के आगे केन्द्र की मोदी सरकार ने घुटने टेकते हुए, तीनों विवादास्पद कृषि कानूनों को तो वापिस ले लिया, मगर एमएसपी को कानूनी गारंटी प्रदान करने की दिशा में अभी तलक कोई कदम नहीं बढ़ाया है। किसानों को सिर्फ आश्वासन ही दिया जा रहा है। प्रेमचंद ने अपने संपूर्ण साहित्य में न सिर्फ किसानों के अधिकारों की पैरवी की, बल्कि इन्हें हासिल करने के लिए उन्हें संघर्ष का रास्ता भी दिखलाया। किसानों के जो मौजूदा सवाल हैं, उनके बहुत से जवाब प्रेमचंद साहित्य में खोजे जा सकते हैं। बस जरूरत उसके एक बार फिर गंभीरता से पाठ की है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

व्यंग्य

प्रेम बालाओं से संयुक्त साक्षात्कार

डॉ. प्रदीप उपाध्याय
व्यंग्यकार

'आप लोगों को ऐसे कैसे प्रेम हो रहा है जब आप दो-दो, चार-चार बच्चे पैदा कर चुकी हैं।' प्रेमलोक में अपने सहचरों के साथ विचरण करती उन प्रेम बालाओं से संयुक्त रूप से साक्षात्कार लेते हुए मैंने पूछा।

वे भड़क उठीं, उन्हें मुझ में खलपात्र दिखाई दिया। गुस्साते हुए बोलीं- "क्या वाहियात सी बात कर रहे हो! मुहब्बत तो कभी भी, किसी से भी और कैसे भी हो जाती है। क्या बच्चे पैदा होने के बाद मुहब्बत नहीं हो सकती अंकल! आपको मालूम होना चाहिए कि प्यार किया नहीं जाता, हो जाता है,दिल दिया नहीं जाता, खो जाता है।"

"लेकिन सुना तो यह था कि लिखते-लिखते लव हो जाता है किन्तु पहली बार सुना है कि खेलते-खेलते लव हो गया।" मैंने प्रेम के नए पायदान पर पैर जमाती उन बालाओं को घेरना चाहा।

"इसमें कौन सी नई बात है! जब देखते -देखते लव हो जाता था तब खेलते-खेलते लव होना कौन से आश्चर्य की बात है और जहां तक लिखते-लिखते लव होने की बात है तो जाहिर सी बात है कि अब लिखने-पढ़ने का जमाना नहीं रहा। कागज-कलम बीते दौर की बात हो गए हैं। जितनी देर में प्रेम पत्र लिखो, उतनी देर में पता लगे कि प्रेमी या प्रेमिका बदलने की नौबत आ गई है और इसीलिए अब लिखने-लिखाने के ढकोसले बंद हो गए हैं। आजकल खेलने-खिलाने का ही चलन है। अब तो सारा काम उंगलियों पर, उंगली चलाने और उंगली पर नचाने का समय है।" वे इठलाते हुए समवेत स्वर में बोल उठीं।

"लेकिन हमने तो सुना था कि आंख से आंख मिलती थी और लव हो जाता था। शायद उसे एक नजर का प्यार कहते थे।" मैंने अपने जमाने की बात रखी।

"ओह, देट इज! ओल्ड मैन किस जमाने की बात कर रहे हो! और ये एक नजर वाला प्यार तो हम लोग दिन में चार बार कर गुजरते हैं। इससे कोई जिंदगी भर का काम तो नहीं चल जाता! आजकल जिंदगी भर के लिए कोई ठहरता भी नहीं। प्यार में सम्पूर्णता के लिए आज इस डाल पर तो कल उस डाल पर छलांग लगाना ही पड़ती है।" उन्होंने मेरा उपहास उड़ाते हुए कहा।

"किन्तु जिंदगी भर के प्यार के लिए तो आप लोगों ने शादी कर ही ली थी। क्या उनसे आप लोगों को संतुष्टि नहीं मिली। क्या उनसे आपको प्यार नहीं मिला! जब दो-दो, चार-चार बच्चे पैदा कर लिए तो क्या तब प्यार नहीं हुआ था।" मैंने आश्चर्य व्यक्त करते हुए पूछा।

"अरे अंकल, वो प्यार थोड़े ही था। वह तो शादी थी। शादी का हिसाब-किताब अलग रहता है, वह घर के बही-खाते में समाया रहता है और वैसे भी जिनसे शादी करो, उनसे मुहब्बत हो जाए, यह जरूरी भी तो नहीं।" उन्होंने ज्ञानवर्धक बात कही।

"तब क्या जिन-जिनसे मुहब्बत होती है उनसे शादी करना जरूरी है!"मैंने प्रतिप्रश्न किया।

"नहीं, जरूरी तो नहीं है, यहां हमें सिलेक्टिव होना पड़ता है। हां, जिसे पूर्णांक प्राप्त हो जाए वहां यह मानकर चलते हैं कि जब तक अपना प्यार हासिल न हो तब तक उसकी पूर्णता हो ही नहीं सकती।" उन्होंने दमदारी के साथ कहा। साथ चल रहे सहचरों ने खा जाने वाली दृष्टि से मुझे घूरा।

"क्या प्रेम इतना जरूरी है कि स्नेह और वात्सल्य को भी तिरोहित कर दे। मां -बाप को पहचानने से इंकार कर दे और उन्हें ट्रेन के सामने कूद कर जान देने को मजबूर होना पड़े।" मैंने बुजुर्गियत का एक प्रश्न दागा।

इस बार सहचरों ने जवाब दिया- "प्यार खुले आकाश में स्वछंद उड़ान का मौका देता है जबकि स्नेह और वात्सल्य चहुंओर बंधनों में धकेलते हैं।"

"लेकिन यह तो स्वार्थ है। प्यार में तो व्यक्ति सर्वस्व न्यौछावर करने को तत्पर रहता है। प्यार त्याग और बलिदान मांगता है।" मैंने प्रतिवाद करते हुए समझाना चाहा।

"ओए बुढऊ, बहुत लेक्चर दे चुका। अब फूट ले यहां से। हमें प्यार की वादियों की सैर करने दे। क्या पता कब तक यहां का लुत्फ कायम रहे। हो सकता है कि खेल-खेल में हम कहीं ओर प्रेम की डोर में बंधकर निकल जाएं।" कहते हुए वे सभी हवा-हवाई हो गए।

नॉलेज कॉर्नर: समुद्री लहरों के बीच स्थित ऐतिहासिक रक्षा स्थल

17वीं शताब्दी में बना पुर्तगाली 'अगुआड़ा किला'

भारत में राजा-महाराजाओं के समय कई किले और दुर्ग बनवाए गए। इन्हें बनाने के मूल उद्देश्य दुश्मनों से रक्षा करना था। ठीक इसी प्रकार पुर्तगालियों ने गोवा में एक किला बनवाया, जिसे अगुआड़ा किला के नाम से जानते हैं। भारत सहित अन्य देशों की बड़ी आबादी हर वर्ष गोवा में बीच की लहरों का लुत्फ उठाने आती है। मगर आधुनिकता परे इस राज्य में यह ऐतिहासिक किला भी स्थित है। उम्मीद की जा सकती है कि कम ही लोग इसे देखने में या इसे जानने में दिलचस्पी रखतें हो, मगर किले का इतिहास जानने के बाद हर किसी के मन में एक बार इसे देखने की इच्छा जरूर प्रकट होगी। इस किले को बाकी किलों की तरह रक्षा हेतु बनाया गया था, इसके अलावा इसके और भी क्या दिलचस्प तथ्य हैं, उन सभी के बारे में जानेंगे आज के कॉर्नर में...

एएसआई द्वारा संरक्षित किला

सत्रहवीं शताब्दी में बना अगुआड़ा किला आज भी एएसआई द्वारा संरक्षित है। इसका निर्माण पुर्तगालियों ने डच लोगों से रक्षा के लिए करवाया था। गोवा में सिंक्वेरिम समुद्र तट पर अरब सागर की ओर स्थित इस किले का निर्माण वर्ष 1612 में करवाया गया था। जिसका एकमात्र उद्देश्य डचों से बचाव करना था। पुर्तगालियों के लिए यह उस समय का सबसे बेशकीमती और महत्वपूर्ण किला था। मांडोवी नदी के मुहाने पर निर्मित यह किला इतना बड़ा है कि

यह बर्देज के दक्षिण-पश्चिमी सिरे पर पूरे प्रायद्वीप को कवर करता है। इसे रणनीति के तहत बनवाया गया था। 79 तोपों से सुसज्जित यह किला दो खंडों में विभाजित था। वर्ष 2015 तक अगुआड़ा सेंट्रल जेल गोवा की सबसे बड़ी जेल थी, जो कि किले का एक हिस्सा थी।

पानी से गहरा संबंध

इस किले का पानी से गहरा संबंध है। इसके भीतर एक मीठे पानी का झरना हुआ करता था, जो कि यहां रुकने वाले जहाजों को पानी की आपूर्ति प्रदान करता था। यही कारण रहा कि इसका नाम अगुआड़ा पड़ा। ऐसा क्यों यह जानना भी रूचिकर है। दरअसल अगुआडा शब्द का अर्थ पुर्तगाली भाषा में पानीदार होता है। उस समय यह किला जहाजों के रूकने का स्थान था। यहां से गुजरने वाले जहाज के कर्मचारी अक्सर किले में स्थित मीठे पानी के भंडार से अपनी प्यास बुझाते थे। इसमें 2,376,000 गैलन पानी भंडारण की क्षमता है, जो कि उस समय का पूरे एशिया में सबसे बड़े मीठे पानी का भंडारण था।

यहां सबसे पुराना लाइटहाउस भी

अगुआड़ा किला में वर्ष 1864 में लाइट हाउस का निर्माण किया गया था। इसका उपयोग 7 मिनट में एक बार प्रकाश उत्सर्जित करने के लिए किया जाता था। किले के पश्चिम में एक पहाड़ी पर स्थित यह लाइटहाइस एशिया में सबसे पुराना है। यह मोरमुगाओ और कैलंगुट समुद्र तट के बीच स्थित है। कंटेंट: सुप्रिया सरकार

जगदीश वासुदेव, योग गुरु
@SadhguruJV
हकीकत में तो अभी ही है. यदि आप जानते हैं कि इस क्षण को कैसे संभालना है, तो आप जानते हैं कि अनंत काल को कैसे संभालना है।

अनुपम खेर, अभिनेता
@AnupamPKher
याद करने पर बीता हुआ सुख भी दुख ही देता है!! कमबख़्त यादें!

जया किशोरी (वक्ता), आध्यात्मिक मार्गदर्शक
@iamjayakishori
आपके जीवन का हर पल सीखने के लिए एक अनुभव है, इसे संजोकर रखें क्योंकि अनुभवों का यह खजाना आपको विशिष्ट बनाएगा।

बीके शिवानी, आध्यात्मिक मार्गदर्शक
@bkshivani
अपने आप से कहें - "मैं एक ज्ञानी प्राणी हूँ। सामने आने वाला हर दृश्य पिछले कर्मों का परिणाम है... मैं सवाल नहीं करता, मैं दृश्य को स्वीकार करता हूं। मैं अगले दृश्य पर ध्यान केंद्रित करता हूं। मैं स्क्रिप्ट का अगला भाग लिखना चुनता हूं... एक शुद्ध, शक्तिशाली, सकारात्मक वर्तमान कर्म।"

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

सुरक्षित, सुगम, सुंदर, ग्रामीण सड़कों के संग

आगे बढ़ता राजस्थान

जनघोषणा पत्र के अनुसार छोटे-छोटे गांवों को
सड़कों से जोड़ने के क्रम में प्रदेश भर में

₹ 2422
करोड़ की लागत से

1514
राजस्व गांवों को

नवीन डामर सड़कों से जोड़ने के कार्यों का

शिलान्यास

द्वारा

श्री अशोक गहलोत

मुख्यमंत्री, राजस्थान सरकार

एवं

श्री भजनलाल जाटव

मंत्री, सार्वजनिक निर्माण विभाग

की गौरवमयी उपस्थिति में

दिनांक:
31 जुलाई 2023 (सोमवार), दोपहर 12.00 बजे

**ग्रामीण, जनजातीय व मरुस्थलीय क्षेत्रों में
सड़कों के विकास में बढ़ते कदम**

शिलान्यास के कार्य-

- वर्ष 2011 की जनगणनानुसार सामान्य क्षेत्रों में 350 व अधिक की आबादी तथा जनजातीय एवं मरुस्थलीय क्षेत्रों में 250 से अधिक आबादी के 778 राजस्व गांवों को सड़क से जोड़ने हेतु **₹1192** करोड़ के कार्य।
- वर्ष 2011 जनगणना के पश्चात घोषित सामान्य क्षेत्रों में 500 व अधिक आबादी तथा जनजातीय एवं मरुस्थलीय क्षेत्रों में 250 से अधिक आबादी के 736 राजस्व गांवों को सड़क से जोड़ने हेतु **₹1230** करोड़ के कार्य।
- जनगणना वर्ष 2011 के अनुसार सभी क्षेत्रों के 500 से अधिक आबादी के 851 राजस्व गांवों को **₹879** करोड़ की लागत से डामर सड़क से जोड़ा जा चुका है एवं 70 राजस्व गांवों को डामर सड़क से जोड़ने के कार्य प्रगतिरत।

राजस्थान संवाद

LIVE प्रसारण देखने के लिए

स्कैन करें

लॉग ऑन करें
@AshokGehlot.Rajasthan

सार्वजनिक निर्माण विभाग, राजस्थान

जरूरी खबर

पीएम कल पुणे में मेट्रो ट्रेन को दिखाएंगे हरी झंडी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को पुणे का दौरा करेंगे और इस दौरान वह मेट्रो ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे तथा विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास भी करेंगे। पीएमओ के बयान के मुताबिक, इस दौरे के दौरान प्रधानमंत्री लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार भी ग्रहण करेंगे। पीएमओ ने कहा कि प्रधानमंत्री पुणे मेट्रो के पहले चरण के दो गलियारों के पूर्ण हो चुके खंडों पर सेवाओं के उद्घाटन के अवसर पर मेट्रो ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। ये खंड फुगेवाड़ी स्टेशन से सिविल कोर्ट स्टेशन और गरवारे कॉलेज स्टेशन से रूबी हॉल क्लिनिक स्टेशन तक हैं।

अनुशासन सशस्त्र बलों की अंतर्निहित पहचान: SC

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने छुट्टियां पूरी होने के बाद ड्यूटी पर नहीं लौटने के मामले में बर्खास्त किए जाने के खिलाफ दायर एक सैन्य कर्मी की याचिका खारिज कर दी और कहा कि अनुशासन सशस्त्र बलों की अंतर्निहित पहचान तथा सेवा की एक ऐसी शर्त है, जिसमें मोल-भाव नहीं किया जा सकता। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि उसकी पत्नी बीमार हो गई थी और वह उसके इलाज की व्यवस्था एवं देखभाल कर रहा था, जिसकी वजह से वह छुट्टियां खत्म होने के बाद ड्यूटी पर नहीं लौट पाया। न्यायाधीश हिमा कोहली और न्यायाधीश राजेश बिंदल की पीठ ने कहा कि सैन्यकर्मी अपनी पत्नी के उपचार के बारे में ऐसा कोई दस्तावेज पेश नहीं कर पाया, जिससे यह पता चलता हो कि वह गंभीर रूप से बीमार थी।

जम्मू-कश्मीर: एसआईए ने पुंछ में मारे छापे

जम्मू। राज्य अन्वेषण अभिकरण (एसआईए) ने मादक पदार्थ-आतंकवाद मामले में रविवार को दूसरे दिन जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में छापेमारी की। अधिकारियों ने कहा कि एसआईए ने सीमावर्ती जिले में कई स्थानों पर छापेमारी की और रफीक लाला के नेतृत्व वाले मादक पदार्थ-आतंकवादी मॉड्यूल का पर्दाफाश करने के लिए कई लोगों से पूछताछ की। लाला को इस साल की शुरुआत में जन सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत गिरफ्तार किया गया था। एसआईए ने शनिवार को मंडी तहसील के दन्ना डोयियां गांव में लाला के घर समेत आधा दर्जन से अधिक स्थानों पर छापेमारी की थी।

उपग्रह का प्रक्षेपण देखने उमड़ा जनसैलाब

श्रीहरिकोटा। आंध्र प्रदेश के श्री हिरकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से रविवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के रॉकेट पीएसएलवी सी 56 से सिंगापुर के सात उपग्रहों के प्रक्षेपण को देखने के लिए उमड़ा जनसैलाब। -पीटीआई

मन की बात में बोले पीएम मोदी, स्वतंत्रता दिवस से पहले नई पहल

शहीदों के सम्मान में शुरू होगा 'मेरी माटी, मेरा देश' अभियान

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को घोषणा की कि देश के शहीदों के सम्मान में स्वतंत्रता दिवस से पहले 'मेरी माटी, मेरा देश' अभियान शुरू किया जाएगा। आकाशवाणी पर प्रसारित मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 103वीं कड़ी में अपने विचार साझा करते हुए मोदी ने कहा कि हर जगह 'अमृत मोहत्सव' की गूंज है और 15 अगस्त पास ही है तो देश में एक और बड़ा अभियान शुरू किया जा रहा है। शहीद वीर-वीरांगनाओं को सम्मान देने के लिए 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान शुरू होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वालों की याद में पूरे भारत में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और लाखों ग्राम पंचायतों में विशेष शिलालेख भी स्थापित किए जाएंगे। अभियान के तहत देशभर में अमृत कलश यात्रा आयोजित की जाएगी।

7,500 कलशों में दिल्ली पहुंचेगी मिट्टी

पीएम मोदी ने कहा, देश के गांव-गांव से, कोने-कोने से 7,500 कलशों में मिट्टी लेकर यह 'अमृत कलश यात्रा' देश की राजधानी दिल्ली पहुंचेगी। यह यात्रा अपने साथ देश के अलग-अलग हिस्सों से पौधे लेकर भी आएगी। कलश में आई माटी और पौधों के साथ राष्ट्रीय युद्ध स्मारक के समीप 'अमृत वाटिका' का निर्माण किया जाएगा। मोदी ने कहा, यह अमृत वाटिका 'एक भारत-श्रेठ भारत का' भी बहुत ही भव्य प्रतीक बनेगी।

सेल्फी अपलोड करने की अपील

पीएम मोदी ने कहा, मैंने पिछले साल लाल किले से अगले 25 वर्षों के अमृतकाल के लिए 'पंच प्रण' की बात की थी। 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान में हिस्सा लेकर हम इन 'पंच प्रणों' को पूरा करने की शपथ भी लेंगे। उन्होंने देशवासियों से देश की पवित्र मिट्टी को हाथ में लेकर शपथ लेते हुए अपनी सेल्फी को वेबसाइट 'युवा डॉट गॉव डॉट इन' पर अपलोड करने की अपील भी की।

यह भी बोले पीएम

- लाखों ग्राम पंचायतों में होंगे शिलालेख स्थापित
- देशभर में निकाली जाएंगी अमृत कलश यात्रा
- राष्ट्रीय युद्ध स्मारक के समीप होगा 'अमृत वाटिका' का निर्माण

चलेगा हर घर तिरंगा अभियान

मोदी ने पिछले साल की तरह इस साल भी 'हर घर तिरंगा' अभियान में लोगों से बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, हमें इस बार भी फिर से, हर घर तिरंगा फहराना है, और इस परंपरा को लगातार आगे बढ़ाना है। इन प्रयासों से हमें अपने कर्तव्यों का बोध होगा। देश की आजादी के लिए दिए गए असंख्य बलिदानों का बोध होगा। आजादी के मूल्य का एहसास होगा। इसलिए, हर देशवासी को इन प्रयासों से जरूर जुड़ना चाहिए।

बिना महरम हज यात्रा बड़ा बदलाव

प्रधानमंत्री ने मुस्लिम महिलाओं के बिना 'महरम' (पुरुष साथी) हज यात्रा करने को एक 'बड़ा बदलाव' करार देते हुए इसका श्रेय हज नीति में किए गए परिवर्तन को दिया। उन्होंने कहा, ऐसी महिलाओं की संख्या सौ-पचास नहीं, बल्कि 4,000 से ज्यादा है।

असम विधानसभा के नए भवन का उद्घाटन

सदन में चर्चा हो, व्यवधान नहीं: बिरला

एजेंसी | गुवाहाटी

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को कहा कि हर गंभीर मुद्दे पर चर्चा होनी चाहिए, लेकिन राज्य विधानसभाओं और संसद में कोई व्यवधान नहीं होना चाहिए, क्योंकि लोगों को लोकतंत्र के इन मंदिरों से बहुत उम्मीदें हैं।

बिरला की टिप्पणी मणिपुर हिंसा को लेकर संसद में जारी गतिरोध की पृष्ठभूमि में आई है। उन्होंने कहा कि विभिन्न मुद्दों पर सहमति और असहमति भारत के लोकतंत्र की विशेषता है। लोकसभा अध्यक्ष यहां असम विधानसभा के नए भवन का उद्घाटन करने के बाद पूर्वोत्तर राज्यों के विधायकों, सांसदों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, लोगों को राज्य विधानसभाओं और लोकसभा से बहुत सारी उम्मीदें हैं। लोग आपको बहुत उम्मीदों के साथ यहां भेजते हैं।

कुलगाम में सेना का जवान लापता

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले से सेना के एक जवान के लापता होने की खबर है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि कुलगाम जिले के अचथल इलाके के रहने वाले जावेद अहमद वानी शनिवार शाम को लापता हो गए थे। वानी लद्दाख क्षेत्र में तैनात थे और फिलहाल छुट्टी पर थे। लापता सैनिक के पिता मोहम्मद अय्यूब वानी ने अपहरण की आशंका जताई है। सुरक्षा बलों ने व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया है।

जोजिला सुरंग... 2030 में होगी पूरी

द्रास। सभी मौसमों में कश्मीर घाटी और लद्दाख के बीच संपर्क सुविधा प्रदान करने वाली निर्माणाधीन जोजिला सुरंग का 40 प्रतिशत निर्माण कार्य काम पूरा हो गया है। 13 किलोमीटर लंबी इस सुरंग दिसंबर, 2026 तक बनकर तैयार हो जानी थी। सकी समयसीमा बढ़ाकर दिसंबर, 2030 कर दी गई है।

मणिपुर दौरे से लौटै सांसद, कहा...

राज्य में स्थिति बहुत गंभीर, सरकार नहीं उठा रही कड़े कदम

एजेंसी | नई दिल्ली

कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने रविवार को आरोप लगाया कि मणिपुर में अनिश्चितता और भय व्याप्त है तथा केंद्र और राज्य सरकार वहां बहुत गंभीर स्थिति से निपटने के लिए कोई मजबूत कदम नहीं उठा रही है। विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' का एक प्रतिनिधिमंडल दो दिवसीय दौरे के बाद हिंसा प्रभावित मणिपुर से लौट आया है। 'इंडिया' ने इस बात पर जोर दिया कि पिछले तीन महीने से जारी मणिपुर जातीय संघर्ष जल्द हल नहीं किया गया, तो यह देश के लिए सुरक्षा समस्याएं पैदा कर सकता है। इससे पहले, 21 सांसदों के प्रतिनिधिमंडल ने इंफाल में राजभवन में मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया उइके से मुलाकात की और यात्रा के दौरान अपनी टिप्पणियों पर एक ज्ञापन सौंपा।

पीएम की चुप्पी की आलोचना

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि सरकारी तंत्र मणिपुर जातीय संघर्ष को नियंत्रित करने में पूरी तरह से विफल रहा है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चुप्पी की आलोचना करते हुए उन पर पूर्वोत्तर राज्य की स्थिति के प्रति उदासीनता दिखाने का आरोप लगाया। चौधरी ने सारा मणिपुर जल रहा है और पीएम बांसुरी बजा रहे हैं।

अब जम्मू कश्मीर में भी उड़ान भरेंगे तेजस विमान

जम्मू। भारतीय वायुसेना ने अपने स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस एमके1 को जम्मू कश्मीर में अपने अग्रिम हवाई अड्डे पर तैनात किया है ताकि पाकिस्तान की सीमा के पास घाटियों में उड़ान और अन्य अभियानों का अनुभव हासिल किया जा सके। तेजस एमके-1 मल्टीरोल हल्का लड़ाकू विमान है। वायुसेना के जम्मू-कश्मीर में कई बेस हैं जो चीन और पाकिस्तान समेत दोनों मोर्चों पर अभियानों के लिए महत्वपूर्ण हैं। वायुसेना अपने विमानों को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख समेत उत्तरी सेक्टर में भेजती रहती है ताकि इस विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र में उन्हें उड़ान का अनुभव प्रदान किया जा सके। वायु सेना तेजस की क्षमता बढ़ाने की पुरजोर समर्थन कर रही है। वायु सेना ने पहले ही अपने दो स्क्वाड्रनों को इसके इनीशियल और फाइनल ऑपरेशन की मंजूरी दे दी है।

यात्रा वृत्तांत... अमरनाथ यात्रा

यात्रियों का दबाव बढ़ने पर टेंट, टैक्सी व अन्य सुविधाएं हो जाती हैं महंगी

राजेश कुमावत | बेधड़क

जयपुर। श्रीनगर के सीआरपीएफ कैंप से रवाना होकर हमारा जत्था अपने वाहनों से पहलगांव स्थित आधार शिविर पहुंचा। शिविर में करीब 5500 यात्रियों के ठहरने की व्यवस्था थी,लेकिन वहां करीब 15000 यात्री पहुंच गए थे।

क्षमता से अधिक यात्री पहुंचने पर होने वाली समस्याएं यहां पर भी वैसी थी जैसी हमने पूर्व में विभिन्न स्थानों पर देखी। अगले दिन तड़के 4 बजे हमारा जत्था पहलगांव आधार शिविर से अगले पड़ाव चंदनबाड़ी लिए के लिए रवाना हुआ। प्रशासन को करीब 5500 यात्री छोड़ने थे और लाइन में लगभग 15,000 से अधिक यात्री लगे थे। प्रशासन ने करीब 10000 करीब यात्रियों को वहां से चंदनबाड़ी के लिए प्रस्थान की इजाजत दी। यानी यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं का दबाव पूर्ववत ही रहा। जब हम चंदनबाडी पहुंचे तो वहां शिविर में प्रवेश करने के लिए श्रद्धालुओं की लाइन लगी थी। चंदनबाड़ी में शिविर की क्षमता करीब 5500 लोगों की है। 3000 यात्री चंदनबाड़ी से वापस पहलगांव लौट आए। जिन यात्रियों को चंदनवाड़ी जाने का मौका नहीं मिला वह यात्री 24 घंटे पहले ही अगले दिन की लाइन में लग गए। इससे यात्रियों को तो परेशानी हुई ही, आधार शिविर की व्यवस्था भी चरमरा गई। ऐसी घटनाएं लगातार तीन दिन तक होती रहीं।

चंदनबाड़ी(जम्मू कश्मीर)। चंदनबाड़ी शिविर में प्रवेश के लिए लगी अमरनाथ यात्रियों की कतार। यात्री दबाव बढ़ने पर कई बार श्रद्धालु वहां 24 घंटे पहले ही लाइन में लग जाते हैं।

चंदनबाड़ी से आगे का सफर हमने तो पैदल ही किया है लेकिन अधिकांश लोग यहां से आगे यात्रा के लिए घोड़े पालकी, पिट्ठू आदि सुविधाओं का उपयोग करते हैं। हालांकि इनके लिए अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने दरें तय कर रखी हैं, लेकिन इस पर कारगर निगरानी व्यवस्था नजर नहीं आई। सुरम्य वादियों के बीच से गुजरते हुए गुफा तक पहुंचना अद्भूत अनुभव रहा। शेषनाग पंचतरणी संगम आदि जगह पर टेंट वालों ने मुंह मांगे दाम श्रद्धालुओं से वसूल किए। लेकिन पर्ची उन्होंने सामान्य रेट की थमा दी। जैसे शेषनाग पर प्रति व्यक्ति टेंट में रहने का 500 प्रति रात्रि विश्राम है, लेकिन जब यात्रियों की संख्या बढ़ी तो हजार रुपए तक वसूल किए जाने लगे और रसीद 500 रुपए की पकड़ा दी। कुल मिलाकर चंदनबाड़ी से आगे टेंट वाले, घोड़े, पालकी, पिट्ठू वाले यात्रियों का दबाब बढ़ने पर अपनी किराया राशि भी बढ़ा देते हैं।

टैक्सियों का मनमाना किराया

पहलगाम आधार शिविर से चंदनबाड़ी शिविर तक अमरनाथ यात्रियों को टैक्सी सेवाओं लेकर यात्रा करनी होती है। 2017 में चंदनबाड़ी तक टैक्सी किराया प्रति व्यक्ति ₹100 रुपया था, लेकिन इस बार प्रति 10 व्यक्ति करीब ₹3000 रुपए किराया वसूला जा रहा था। यानी पहले की तुलना में तिगुना किराया वसूल किया गया। श्रद्धालुओं का कहना था कि इस बार अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने अपने स्तर पर ही यातायात व्यवस्था तय कर रखी है।

इस बार नहीं लगे गुफा के सामने टेंट

अमरनाथ यात्रा 2023 से पूर्व की यात्रा में बाबा अमरनाथ की गुफा के नीचे सामने टेंटों में दुकानें लगती थी, जहा यात्रियों को रहने व सामान रखने की निशुल्क सुविधा मिलती थी, लेकिन इस बार यह व्यवस्था ही समाप्त कर दी गई। कई श्रद्धालुओं का कहना था कि जब यात्रा की व्यवस्था सेना की छत्रछाया में थी तो यात्रा बहुत ही सस्ती, सुलभ, सरल, एवं अनुशासित तरीके से होती थी! श्राइन बोर्ड सेना जैसी निगरानी व अनुशासन बनाए नहीं रख सका।

इटर्नल वॉइस ऑफ डॉक्टर्स-2023: बॉलीवुड सिंगर कुमार सानू बोले-

‘जब तक स्वयं का क्रिएशन शामिल नहीं, तब तक कुछ नहीं हो सकता’

■ अल्का याग्निक और म्यूजिक डायरेक्टर साजिद-वाजिद ने शेयर किए अनुभव

बेधड़क | जयपुर

मैंने अपनी बेटी के लिए कभी किसी से सिफारिश नहीं की। जब उन्होंने मूवी साइन कर ली उसके कुछ महीनों बाद मुझे पता चला। वे अपने दम पर करेंगी, जो उनको करना है। बात की जाए नेपोटिज्म की तो इससे जुड़ा सवाल मुझे कभी समझ ही नहीं आता है। क्योंकि सब चाहते हैं कि उनके बच्चे अच्छा करें। बॉलीवुड पर यह बेबाक शब्द थे बॉलीवुड प्लेबैक सिंगर कुमार शानू के, जो उन्होंने इटर्नल वॉइस ऑफ डॉक्टर्स-2023 को जज करने के दौरान कहे। उनके साथ सिंगर अल्का याग्निक और म्यूजिक डायरेक्टर साजिद-वाजिद भी थे। तीनों में 90 के समय के बॉलीवुड सिंगिंग पर खुलकर बात की और जयपुर में हुए दुनिया के इस अनूठे डॉक्टर सिंगिंग प्रोग्राम की तारीफ की। इस दौरान इटर्नल हॉस्पिटल की को-चेयरपर्सन मंजू शर्मा, प्रोग्राम के ऑर्गनाइजिंग चेयरपर्सन डॉ. जितेंद्र सिंह मक्कड़, न्यूरोसर्जन डॉ. एनसी पूनिया, डॉ. गौरव उपस्थित थे।

भाई मेरे आसपास ही है

साजिद-वाजिद ने कहा कि मेरा भाई आज भी मेरे आस-पास ही है। मैं जब कुछ क्रिएट करता हूं तो उसे महसूस करता हूं और अब मेरे अंदर उसकी सोच आ गई है और उसका जैसा म्यूजिक और गाने तैयार करता हूं। ये ही कारण है कि मैंने अपना सरनेम चेंज कर लिया है। अब मैं साजिद-वाजिद हूं।

आज भी सुने जाते हैं हमारे गाने

अल्का याग्निक ने कहा कि आज भी हमारे गाने सुने जाते हैं, यह खुशी देता है। हर चीज का दौर होता है। म्यूजिक में भी दौर आते हैं। एक दौर था, जिसमें हम लता दीदी, दिलीप कुमार, रफी साहब के गाने सुनकर बड़े हुए। फिर हमारा दौर आया, अब एक नया दौर चल रहा है।

अब फिफ्टी परसेंट गाने अच्छे

सानू ने कहा कि पहले 10 में से 10 गाने अच्छे निकलते थे। अब ये फिफ्टी परसेंट रह गया है। हम किस्मत वाले रहे कि हमें अच्छा म्यूजिक, लिरिक्स और एक्टर्स मिले। सानू ने कहा कि मरीजों के ट्रीटमेंट में एक्सपर्ट डॉक्टर्स सुर ताल में कितना एक्सपर्ट होंगे, यह जानना रोचक होगा।

रियलिटी शोज से खास मिला नहीं

सानू ने कहा कि रियलिटी शोज से कुछ खास मिला नहीं। दो-चार नाम छोड़ दिए जाएं तो बाकी कहां जाते हैं पता नहीं चलता। जब तक हम स्वयं का क्रिएशन नहीं करेंगे, तब तक कुछ नहीं होगा। नए सिंगर्स को चाहिए कि वे स्वयं की क्रिएटिविटी शामिल करें। शोज में वे हमारे गानों को सुनकर फिर से उसे गाते हैं, जो बहुत कुछ नहीं दे सकता है। ज्यादा जरूरी है कि स्वयं क्या क्रिएशन करते हैं? जैसे श्रेया घोषाल, सुनिधि चौहान, सोनू निगम आए और उन्होंने अच्छा काम किया।

विनर्स ऑफ लाइफ अवॉर्ड पाकर युवाओं के खिले चेहरे

बेधड़क.जयपुर। जब अवॉर्ड हाथ में आए तो चेहरे खिल उठे और मन की सारी शंकाएं दूर हो गईं। मन हल्का था और आंखों में अब कॅरियर बनाने की ओर ध्यान था। ये थे डिप्रेशन से बाहर आकर मुख्य धारा में फिर से जुड़ने वाले युवा, जिनको जयपुर में अमिता साइकोलॉजी क्लीनिक में हुए हैप्पीनेस कैंप के बाद विनर्स ऑफ लाइफ अवॉर्ड से नवाजा गया। पुरस्कार समारोह में सिंगिंग, एक्टिंग और सोशल वर्क क्षेत्र की हस्तियां भी आईं और उन्होंने अवॉर्ड पाने वालों को मोटिवेट किया। शिविर में 37 युवाओं ने भाग लिया, जिन्होंने डॉ. अमिता श्रृंगी की कॉकटेल थेरेपी से खुदको खुशहाल पाया। विशेष शिविर में युवाओं ने थिएटर, संगीत और नृत्य जैसे विभिन्न माध्यमों से भावनाओं और खुशी को व्यक्त करना सीखा। समारोह के मुख्य अतिथि वीणा म्यूजिक के निदेशक हेमजीत मालू व कांग्रेस नेता पुष्पेंद्र भारद्वाज थे। दोनों ने युवाओं को पुरस्कृत किया और हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य का ख्याल रखना विशेष रूप से आज के युवाओं के लिए महत्वपूर्ण है।

विकास कार्यों का शुभारंभ

बेधड़क. जयपुर। मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ ने विधायक कोष से निर्मित कई विकास कार्यों का शुभारंभ किया। विधायक ने मालवीय नगर के वार्ड नंबर 127 में 17 लाख 75 हजार रुपए की राशि से डलवाई गई नई सीवर लाइन का उद्घाटन किया। इसके साथ ही वार्ड 132 की राजपूत कॉलोनी में सीसी सड़क का शुभारंभ सराफ ने किया। इस मौके पर विकास समिति के पदाधिकारियों ने सराफ का स्वागत किया। इस अवसर पर महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा,पार्षद ममता महावर, नरेंद्र सिंह, बलजिंदर सिंह अध्यक्ष नागरिक सेवा समिति सेक्टर 3, नीरज आकड़, राधेश्याम खंडेलवाल, गंगाराम खत्री, केवलराम रेवानी, सतीश सैनी, कुणाल ज्ञानानी, भीमसेन चुग, गणेश नारायण, राजेश सीकरी, आर एल वर्मा, पवन वर्मा, राजेश खवरानी, आशीष बंसल, ओम प्रकाश गुप्ता, सावित्री गुप्ता,अनु खत्री, छाया सिन्हा, पुष्पा, धनराज महावर, नंदलाल शर्मा, सतीश सेन, अनिल शर्मा आदि मौजूद रहे।

उद्यमिता पर बात करेंगी नैंसी

बेधड़क. जयपुर। आईआईएस स्कूल परिसर में सोमवार, को अमेजन वेब सर्विसेज की प्रोडक्ट-डिजाइन निदेशक और जनरल मैनेजर नैंसी वांग, ‘आईपीआर, नवाचार और महिला उद्यमिता’ पर बात करेंगी। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सभागार में सोमवार सुबह साढ़े नौ बजे शुरू होने वाला यह कार्यक्रम अमेरिकी दूतावास और पैन मीडिया फाउंडेशन की ओर से आयोजित किया जाएगा। आईआईएस स्कूल की प्रिंसिपल माला अग्निहोत्री ने बताया कि कार्यक्रम में पैन संस्था के सहयोग से स्कूल में संचालित स्किल आधारित पाठ्यक्रम ‘मास मीडिया स्टडीज’ के विद्यार्थियों सहित प्रदेश में उद्यमिता और नीतियों पर काम करने वाले संगठनों के प्रतिनिधि और युवा उद्यमी भी शामिल होंगे।

कायस्थ सभा का पौधरोपण

बेधड़क. जयपुर। कायस्थ सभा प्रताप नगर सोसायटी सांगानेर की ओर से सेक्टर 19 में पौधरोपण किया गया। संस्थान की प्रचार सचिव निशा माथुर ने बताया कि इस अवसर पर नीम,पीपल,अशोक, नीम गिलोय और तुलसी के पौधे लगाए गए। इस मौके पर अध्यक्ष अवध बिहारी खिलचीपुर वालों और सचिव मुकेश चंद्र माथुर ने घोषणा की कि हर रविवार को प्रताप नगर, सांगानेर के प्रत्येक वार्ड के पार्क में पौधरोपण किया जाएगा। कार्यक्रम में जुगल किशोर, प्रमोद, राधिका, विनोद, जितेंद्र, निशा, जगत, अशोक, नवनीत, अजय, अमित, रेणु, सुधा, सीमा माथुर, अनीता नेहवारिया आदि पदाधिकारियों ने पौधरोपण कर अभियान में सहयोग किया।

City इवेंट्स

25 कलाकारों ने गाए रफी के नगमे

बेधड़क. जयपुर। एवरग्रीन गायक रफी के गाने कुछ-कुछ उनकी आवाज की कोशिश करते गायकों के गले से जब फुहारों के बीच निकले तो कल प्रेमी पुराने दौर में पहुंच गए। फिर धीरे-धीरे प्रोग्राम परवान चढ़ा और नगमें रोमांचित करते रहे। नजारा था शास्त्रीनगर स्थित संगीत आश्रम संस्थान का 2 दिवसीय सांस्कृतिक समारोह का। पहले दिन मो. रफी की याद आवाज नई अंदाज वहीं शीर्षक से हुए कार्यक्रम में संस्थान के करीब 25 से अधिक बाल, युवा सुर साधकों ने रफी ऑफ एवरग्रीन गीतों को सुर, लय और ताल के साथ पेश किए। वरिष्ठ संगीतज्ञ अमित अनुपम के निर्देशन में सजे कार्यक्रम में पल्लवी शर्मा, आशीष शर्मा, ममता शर्मा, रजनी कुमावत, वनिता हीरानी, कशिश कंवर ने कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

समारोह में प्रतिभाओं का सम्मान

बेधड़क. जयपुर। राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में सैनी समाज कर्मचारी एवं अधिकारी विकास संस्था की ओर से प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। शाखा अध्यक्ष डॉ. पूनम सैनी और प्रदेश अध्यक्ष सुरेश सैनी ने बताया कि कार्यक्रम में हाईकोर्ट के पूर्व जस्टिस देवेंद्र कच्छावा, IAS महेंद्र खड़गावत और डॉ. सवाई सिंह आदि के आतिथ्य में समारोह हुआ। कार्यक्रम में डॉ.एसआर सैनी, डॉ. देवेंद्र मीनल सैनी, डॉ. सुनीता सैनी, प्रदेश अध्यक्ष रमेश सैनी, अनेश सैनी, प्रवक्ता महेश सैनी, संरक्षक संजय सैनी, केके सैनी, महासचिव प्रकाश सैनी आदि मौजूद रहे।

फोटोग्राफर्स के जुनून का परिणाम एग्जीबिशन

बेधड़क. जयपुर। ये फोटोग्राफ्स टाइगर्स के प्रति जुनून को दर्शाती हैं। फोटोग्राफ्स एक दिन की नहीं, बल्कि वर्षों की मेहनत का परिणाम है। यह विचार सांसद और नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी की सदस्य दीया कुमारी ने जेकेके में टाइगर फोटोग्राफ एग्जीबिशन विजिट के दौरान रखे। उन्होंने कहा कि हम सभी प्रदर्शनी से टाइगर्स को सेलिब्रेट करने के लिए एकत्रित हुए हैं। गौरतलब है आयोजन जयपुर टाइगर फेस्टिवल (जेटीएफ) की ओर से जेकेके में किया जा रहा है। इस मौके पर जेटीएफ संस्थापक धीरेंद्र के गोधा ने बताया कि राजस्थान में टाइगर की संख्या 100 के पार हो गई है।

संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का समापन आज

रुक्मिणी-कृष्ण विवाह में गाए मंगलगीत और की पुष्पवर्षा

बेधड़क | जयपुर

महावीर नगर टोंक रोड स्थित राम मंदिर में साधक संजीवनी परिवार की ओर से सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा वाचक अकिंचन महाराज के सानिध्य में चल रही कथा पुराण के दौरान ठाकुरजी के छप्पन भोग की झांकी सजाई गई। कथा सप्ताह में रुक्मिणी कृष्ण का विवाह धूमधाम से रचाया गया। व्यास पीठ से अकिंचन महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की रासलीला प्रसंग का विस्तार से वर्णन किया। इसे सुनकर भक्त भाव विभोर हो गए। रुक्मिणी कृष्ण विवाह के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान पर पुष्पवर्षा की और बधाई गान प्रस्तुत किए। इससे पहले व्यास पीठ से अकिंचन महाराज ने गोवर्धन पर्वत, कृष्ण बाल-लीला, पूतना वध सहित अनेक प्रसंग प्रस्तुत किए।

संजीवनी परिवार प्रमुख डॉ. कविता शर्मा ने बताया कि कथा में सोमवार को अकिंचन महाराज श्रीमद्भागवत कथा का सार सुनाएंगे। हवन में पूर्णाहुति के साथ कथा का समापन होगा।

जगतपुरा के आर-टैक में हुआ अनूठा आयोजन

लहरिया फैशन शो-2023 में 60 लेडीज ने किया पार्टिसिपेट

बेधड़क | जयपुर

सावनी फुहारों के बीच युवतियों और महिलाओं ने लहरिया पहनकर वॉक किया तो परंपरागत फैशन के रंग जयपुर में खिल उठे। ये अनूठा नजारा था आर-टैक कैपिटल हाईस्ट्रीट के लहरिया फैशन शो-2023 का। इसमें 60 से ज्यादा लेडीज ने पार्टिसिपेट किया और फैशन की बानगी पेश की।

प्रोग्राम के चीफ गेस्ट राजेश यादव थे तो पूनम यादव ने पार्टिसिपेंट्स का उत्साह बढ़ाया। रैंप वॉक करने वाली महिलाओं को जज कृतिका यादव और प्रियंका गौर ने नंबर्स देकर विजेता की घोषणा की और सभी को सांत्वना पुरस्कार भी दिए गए।

इस दौरान तीन राउंड आयोजित किए गए, जिसमें पहला रन-वे वाक और क्वेश्चन आंसर राउंड प्रमुख थे। सभी राउंड्स में पार्टिसिपेंट्स का उत्साह और कॉन्फिडेंस उच्च क्वालिटी का रहा। शक्ति यादव ने बताया कि महिलाओं को प्लेटफॉर्म देने और जीवन में खुशी-खुशी रहते हुए देश में शांति-सौहार्द का माहौल बनाने के उदेश्य से लहरिया फैशन शो-2023 का आयोजन जगतपुरा स्थित आर-टेक परिसर में किया गया। इस दौरान फैमिली मैंबर्स ने सभी रैंप वॉक करने वाली महिलाओं का उत्साह हूटिंग व तालियों से बढ़ाया। कार्यक्रम के अंत में गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया। महिलाओं ने भी मंच से अपने एक्सपीरियंस शेयर करते हुए ऐसे कार्यक्रम भविष्य में भी निरंतर करने की बात कही। इस पर आयोजकों ने ऐसा ही करने का वादा किया।

मस्ती की पाठशाला | राजस्थान लघु उद्योग निगम के चेयरमैन ने कार्यक्रम को किया संबोधित

वंचित बच्चों की शिक्षा के लिए सभी आएं आगे: अरोड़ा

बेधड़क | जयपुर

आज के समय में शिक्षा केवल रोजगार के लिए ही नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण के लिए भी अत्यंत आवश्यक है और बिना व्यक्तित्व निर्माण के हम राष्ट्र निर्माण नहीं कर सकते। इसलिए हर बालक-बालिका को शिक्षा मिले, यह समाज का सामूहिक ध्येय होना चाहिए।

यह कहना है राजस्थान लघु उद्योग निगम के चेयरमैन और कांग्रेस नेता राजीव अरोड़ा का। अवसर था श्री राम सेवा संगम समिति की इकाई ‘मस्ती की पाठशाला’ को भेंट किए गए 20 सीटर ई-रिक्शे के अनावरण का। रविवार को अमर जवान ज्योति पर पाठशाला को भेंट में प्राप्त एक 20 सीटों वाले ई-रिक्शा का राजसिको अध्यक्ष राजीव अरोड़ा ने अनावरण किया। इस अवसर पर पाठशाला से जुड़े सभी लोगों और छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए राजीव अरोड़ा ने कहा कि शिक्षा व्यक्ति की मूलभूत आवश्यकता है, जो समाज के हर बालक-बालिका को प्राप्त होनी चाहिए। अरोड़ा ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में शिक्षा की आवश्यकता को समझते हुए कांग्रेस की सरकार ने देश में गरीब, वंचित बच्चों को निशुल्क शिक्षा देने के लिए वर्ष 2009 में शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू किया था। इस अधिनियम के तहत 6 से 14 वर्ष के बच्चों को प्राथमिक अनिवार्य स्कूली शिक्षा निशुल्क उपलब्ध करवाई जाती है। इसी पहल को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों की स्थापना की गई है।

कच्ची बस्तियों में रहने वाले बालकों को दी जाती है शिक्षा

मस्ती की पाठशाला की शिक्षण पहल की सराहना करते हुए राजीव अरोड़ा ने कहा कि संस्था द्वारा कच्ची बस्तियों में रहने वाले बालकों को शिक्षा दी जाती है। ऐसे बालक जो भिक्षावृत्ति में लिप्त हैं, कचरा बीनते हैं, उन्हें असामाजिक तत्वों व कार्यों से बचाने के लिए यह पहल अत्यंत सराहनीय है। इस अवसर पर पाठशाला के संस्थापक अनुज श्रीवास्तव और निदेशक मीनाक्षी श्रीवास्तव, संरक्षक मेजर जनरल अनुज माथुर, जिग्याशु, पूर्णिमा अरोड़ा उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि मस्ती की पाठशाला द्वारा पिछले कई वर्षों से जयपुर शहर के अभावग्रस्त, अशिक्षित और वंचित बालकों को शिक्षित, संस्कारवान एवं चरित्रवान बनाने का कार्य किया जा रहा है।

मनुष्य सब कुछ कॉपी कर सकता है पर भाग्य और हुनर नहीं।
विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

मॉस्को एयरपोर्ट किया बंद

एजेंसी | मॉस्को

यूक्रेन ने रूस पर बड़ा और ताबड़तोड़ हमला बोला है। रूस की राजधानी मास्को की दो इमारतों को यूक्रेन ने ड्रोन हमला कर निशाना बनाया है। हालांकि, इन हमलों में कोई हताहत नहीं हुआ है।

मॉस्को के मेयर के अनुसार, रविवार तड़के रूसी राजधानी पर ड्रोन हमले में दो कार्यालय ब्लॉक क्षतिग्रस्त हो गए और शहर में एक हवाई अड्डे को बंद करना पड़ा। इस बीच, रूसी सेना ने मॉस्को शहर के ऊपर मंडरा रहे तीन अन्य यूक्रेनी ड्रोनों को रोक दिया।

इस हमले की निंदा करते हुए रूसी रक्षा मंत्रालय ने इसे "आतंकवादी हमले का प्रयास" कहा है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा, "मॉस्को शहर में इमारतों पर मानव रहित हवाई वाहनों के साथ कीव शासन के आतंकी हमले के प्रयास को विफल कर दिया गया है।

नाटो और यूएस की मदद!

रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि ऐसे हमले अमेरिका और उसके नाटो सहयोगियों द्वारा कीव शासन को प्रदान की गई सहायता के बिना संभव नहीं हो सकते हैं। सीमा के दूसरी ओर, यूक्रेनी अधिकारियों ने कहा कि उत्तर-पूर्वी शहर सुमी पर रूसी मिसाइल हमले में कम से कम एक नागरिक की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए हैं। उनके मुताबिक, 29 जुलाई को एक शिक्षण संस्थान पर रूसी मिसाइल ने हमला बोल दिया था, जिसमें संसअतान की बिल्डिंग क्षतिग्रस्त हो गई थी।

ड्रोन हमलों की शृंखला नवीनतम

मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने कहा कि यूक्रेनी हमलों की वजह से मॉस्को के वनुकोवो एयरपोर्ट के बंद कर दिया गया है और यहां से उड़ाने भरने वाली फ्लाइट्स को रिडायरेक्ट कर दिया गया है। रूसी मीडिया के अनुसार रविवार को हुआ हमला हाल के ड्रोन हमलों की शृंखला में नवीनतम है- जिसमें यूक्रेन की सीमा के पास क्रेमलिन और रूसी शहर भी शामिल हैं। फरवरी 2022 में मॉस्को द्वारा पूर्ण पैमाने पर आक्रमण शुरू करने के बाद अब यूक्रेनी जवाबी कार्रवाई में लगे हुए हैं।

पाक: चीन से मिली 'भीख' अब खाड़ी देशों से गुहार...

28 प्रोजेक्ट पर मांगा निवेश

एजेंसी | इस्लामाबाद

कर्ज के बोझ और खस्ताहाल अर्थव्यवस्था से निपटने के लिए पाकिस्तान हाथ पैर मार रहा है। पाकिस्तान ने सैद्धांतिक रूप से अरबों डॉलर की 28 परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। कर्ज और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए पाकिस्तान खाड़ी देशों को निवेश के लिए परियोजनाओं की पेशकश करेगा।

वित्तीय संकट से निकालने के लिए नवगठित विशेष निवेश सुविधा परिषद (एसआईएफसी) आर्थिक विकास को तेज करने के अभियान की अगुवाई कर रही है। परिषद एक मिलाजुला नागरिक-सैन्य मंच है। रिपोर्ट के अनुसार स्वीकृत परियोजनाओं की सूची से पता चलता है कि यदि सभी योजनाओं को कतर, सऊदी अरब, यूएई और बहरीन देशों द्वारा ले लिया जाता है, तो एसआईएफसी में निवेश चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के तहत 28 अरब डॉलर के निवेश से अधिक रह सकता है। स्वीकृत योजनाएं खाद्य, कृषि, सूचना प्रौद्योगिकी, खान और खनिज, पेट्रोलियम और बिजली क्षेत्रों से संबंधित हैं।

चुनाव एक्ट में संशोधन

कार्यवाहक सरकार के कार्यकाल के दौरान इन योजनाओं पर काम की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए चुनाव अधिनियम में संशोधन भी पेश किया गया है। ये कानून शुरुआत में स्वीकृत अरबों डॉलर की निवेश परियोजनाओं में तेजी लाएंगे। इसमें निर्णय लेने वालों को विभिन्न भ्रष्टाचार रोधक निकायों से किसी भी तरह की जांच की छूट भी होगी।

इन प्रोजेक्ट्स को किया पेश

इन प्रोजेक्ट्स में पशु फार्म, 10 अरब डॉलर की सऊदी अरामको रिफाइनरी, चगाई में तांबे और सोने की खोज और थार कोयला रेल संपर्क योजना भी शामिल है। सीपीईसी 2013 से पूरे पाकिस्तान में निर्माणाधीन बुनियादी ढांचा और अन्य परियोजनाओं का एक मंच है। एसआईएफसी के कामकाज को कानूनी सुरक्षा देने के लिए संसद ने पहले ही पाकिस्तान सेना अधिनियम और निवेश बोर्ड (बीओआई) अध्यादेश में कई संशोधनों को मंजूरी दे दी है।

पाक: सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में श्रद्धालुओं को ले जा रही एक बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। चालक के नींद की झपकी लेने के कारण यह हादसा हुआ, जिसमें कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और अन्य 20 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बस, श्रद्धालुओं को सखी सरवर से जैकोबाबाद वापस ला रही थी। नींद आ जाने पर चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और बस पलट गई।

ताइवान बना हथियार डिपो: चीन

एजेंसी | बीजिंग

चीन ने अमेरिका पर ताइवान को 'हथियार डिपो' में तब्दील करने का आरोप लगाया है। यह आरोप तब लगाया है, जब व्हाइट हाउस ने ताइपे के लिए 34.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सैन्य सहायता की घोषणा की है।

साथ ही ताइवान ने रविवार को कहा कि उसने अपनी समुद्री तट पर चीन के 6 नौसैनिक जहाजों का पीछा किया। चीन के ताइवान मामलों के कार्यालय ने शनिवार देर रात एक बयान जारी कर ताइवान को सैन्य सहायता दिए जाने का विरोध किया। मालूम हो कि चीन ताइवान पर अपना दावा जताता है।

प्रवक्ता चेन बिनहुआ ने कहा, 'इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि ताइवान की अलगाववादी ताकतें आम करदाताओं का कितना पैसा खर्च करती हैं, अमेरिका कितने हथियार देता है, लेकिन इससे ताइवान समस्या को हल करने या हमारी मातृभूमि के एकीकरण को साकार करने का हमारा संकल्प नहीं डगमगाएगा।' बयान में कहा गया कि अमेरिका का कृत्य ताइवान को बारूद के ढेर और हथियार डिपो में बदल रहा है, जिससे ताइवान जलडमरूमध्य में युद्ध का खतरा बढ़ रहा है।

NASA की खोज जारी

एलियन हैं या ब्रह्मांड में अकेले हैं इंसान!

एजेंसी | वॉशिंगटन

वैज्ञानिक हमारे सौर मंडल और उससे बाहर जीवन की खोज में लगे हुए हैं। रेडियो सिग्नल से लेकर स्पेसक्राफ्ट तक एलियन की खोज में लगे हैं। मंगल ग्रह पर तो सिर्फ जीवन के सबूत खोजने के लिए ही नासा ने रोवर भेज रखे हैं। हालांकि आज तक एलियन के होने का प्रमाण नहीं मिला है।

अब भी सवाल शाश्वत है कि एलियन हैं या नहीं? नासा का कहना है कि एलियन खोज तो नहीं हुई है, लेकिन इसे नकारा भी नहीं जा सकता है। वैसे, अमेरिका के एक पूर्व खुफिया अधिकारी डेविड ग्रुश ने दावा किया है कि अमेरिका के पास एक यूएफओ है। इसके अलावा इस यूएफओ में बैठे एलियन का शव भी है, हालांकि इसकी पुष्टि नहीं कर सकते।

रहस्यों को खोज रहा नासा

लंबे समय से नासा ब्रह्मांड के रहस्यों को समझने, उसे एक्सप्लोर करने और जानने के लिए एक्टिव है। हालांकि, आज तक किसी भी एलियन दुनिया को नहीं खोजा जा सका है। खगोल वैज्ञानिक डॉ. हेज का कहना है कि, 'हम ऐसी जगहों की खोज करते हैं, जहां जीवन हो सकता है। हमने अभी-अभी दूसरे ग्रहों पर खोज करना शुरू किया है। अलबत्ता, हम अभी उसका एक छोटा-सा हिस्सा ही देख सके हैं। हमारे सौरमंडल में कई और जगह हैं, जहां जीवन हो सकते हैं।'

यहां भी जीवन की संभावना

शनि के चंद्रमा एन्सेलेडर और बृहस्पति के चांद यूरोपा जैसे बर्फीले चंद्रमा के नीचे महासागर छिपे हैं। इन महासागरों में जीवन हो सकता है। इसके अलावा नासा अन्य तारों के आस-पास मौजूद ग्रहों की भी खोज करता रहा है। प्रसिद्ध अमेरिकी खगोलशास्त्री कार्ल सेगन के शब्दों को दोहराते हुए हेज कहती हैं, 'यह ब्रह्मांड विशाल है। हम यहां अगर अकेले हैं तो यह अंतरिक्ष की जबरदस्त बर्बादी होगी।'

यूएसए के राष्ट्रपति की दौड़ में तीन भारतीय मूल के अमेरिकन...

निक्की, विवेक के बाद हर्षवर्धन भी शामिल

एजेंसी | वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति की दौड़ में एक और भारतवंशी ने चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। भारतीय मूल के इस अमेरिकी इंजीनियर का नाम हर्षवर्धन सिंह है।

निक्की हेली और विवेक रामास्वामी के बाद हर्षवर्धन तीसरे भारतीय हैं, जिन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति की दौड़ में शामिल होने का निश्चय किया है। निक्की और विवेक की तरह हर्षवर्धन ने भी रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से उम्मीदवारी मांगी है। 38 वर्षीय हर्ष के ट्विटर पर एक वीडियो संदेश भी जारी किया। खुद को आजीवन रिपब्लिकन और अमेरिकियों का सच्चा हितैषी बताने वाले हर्ष डोनाल्ड ट्रंप के जबरदस्त फैन हैं, लेकिन अमेरिकी चुनाव में अब ट्रंप को खुद से बेहतर उम्मीदवार मानते हैं। भारतीय-अमेरिकी इंजीनियर हर्ष वर्धन सिंह ने व्हाइट हाउस के लिए अपनी दावेदारी की घोषणा की है। वह 2024 में अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के इच्छुक रिपब्लिकन उम्मीदवारों में शामिल होने वाले निक्की हेली और विवेक रामास्वामी के बाद भारतीय मूल के तीसरे व्यक्ति बन गए हैं।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: मनोज माथुर*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl